

निदेशक दीक्षान्त प्रतिवेदन



माननीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर सतीश के त्रिपाठी, अध्यक्ष बुफैलो यूनिवर्सिटी (न्यूयार्क स्टेट यूनिवर्सिटी) डॉ अरविन्द पानगडिया, उपाध्यक्ष नीति आयोग, श्री आर सी भार्गव, माननीय अध्यक्ष संचालक मण्डल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, प्रोफेसर सी एन राव, राष्ट्रीय शोध प्राध्यापक तथा जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक शोध केन्द्र बंगलौर के मानध अध्यक्ष, श्री विश्वनाथ आनन्द, शतरंज ग्रैन्डमास्टर तथा पूर्व विश्व शतरंज चैम्पियन, संचालक मण्डल के समस्त सदस्य, शैक्षणिक सीनेट के समस्त सदस्य, समस्त स्नातक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों, संकाय सदस्यों, पूर्व विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों, आमंत्रित गणमान्य अतिथियों एवं मीडिया के सदस्यों का मैं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के 49वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

वर्ष 1959 में स्थापित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, देश में आधुनिक अभियांत्रिकी शिक्षा के क्षेत्र में नये मानदण्ड स्थापित करने के लिए निर्मित किये गये भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में चौथा सबसे पुराना संस्थान है। अपनी स्थापना के समय से ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने देश में विज्ञान आधारित अभियांत्रिकी शिक्षा के अगुवा के रूप में ख्याति अर्जित की है। कानपुर-इंडो-अमेरिकन-कार्यक्रम (KIAP) के तहत यू.एस. विश्वविद्यालय संघ के साथ एक दशक से चली आ रही सार्थक पहल के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। पिछले 56 वर्षों से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी में शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णमान स्थापित विकसित किये हैं। सत्तर के दशक के प्रारंभ में अन्तर-विषयक पाठ्यक्रमों की नई विद्याओं के रूप में संगणक विज्ञान एवं पदार्थ विज्ञान विभाग की स्थापना ऐसी दो विशिष्टताएँ हैं जो भारत में अभियांत्रिकी शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के अग्रणी योगदान को दर्शाता है

शैक्षणिक गतिविधियाँ

मई 2016 को समाप्त हुआ शैक्षणिक वर्ष संतोषजनक रहा है तथा इस अवधि की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करना मैं अपना विशेषाधिकार समझता हूँ। मैं आपके साथ यह जानकारी बाँटते हुए हर्ष की अनुभूति कर रहा हूँ कि गत दीक्षान्त समारोह में सीनेट द्वारा अनुमोदित 151 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई हैं जो कि संस्थान की एक ऐतिहासिक घटना है। इसके अतिरिक्त 1017 अन्य परास्नातक उपाधियाँ प्रदान की गईं जिनमें {513 एम. टेक., 33 एम.बी.ए., 37 एम.डि.एस., 39 वी.एल.एफ.एम., 124 एम.एस.सी. (द्विवर्षीय), 21 एम.एस.सी. (एकीकृत), 250 बी.टेक.-एम.टेक. (ड्यूबल डिग्री का एम.टेक. पार्ट)} शामिल हैं। 885 पूर्व स्नातक उपाधियाँ प्रदान की गईं जिनमें (यू.जी.) जिसमें 497 बी. टेक., 250 बी.टेक.-एम. टेक. (बी.टेक. पार्ट ऑफ ड्यूबल डिग्री) 49 बैचलर ऑफ साइंस (बी. एस.) {चार वर्षीय}, 12 डबल मेजर, 66 बैचलर ऑफ साइंस (बी.एस.) दृ मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.) , 6 बैचलर आफ टेक्नालाजी (बी.टी.) – मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.), 1 बैचलर ऑफ टेक्नालाजीकी (बी.टी.)-मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिन्सट्रेशन (एम. बी. ए.) तथा 4 एम. एस. – पी.डी. की उपाधियाँ शामिल हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

के क्षेत्र में शोध को बढ़वा देने के लिए शैक्षणिक सत्र 2015 – 16 के दौरान सीनेट की स्थाई समिति द्वारा 28 पूर्व स्नातक तथा 54 नये परास्नातक पाठ्यक्रमों को अनुमोदित किया गया है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में नई पहल

NPTEL Phase IV के अंतर्गत कई नये कार्यक्रम प्रस्तावित हैं जो अभी हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई योजना 'सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम' (सीएसएस) तथा मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) के ठीक अनुकूल है।

यह भी अपेक्षित है कि NPTEL IV के तहत मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) की 'सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम' (सीएसएस) कम्प्लेन्ट-ई-कन्टेन्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सुगम्य, उच्च गुणवत्तापूर्ण, आनलाइन तथा ओपन ऐक्सेस शिक्षा अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संस्थान ने पंडित मदन मोहन मालवीया राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (PMMMNTT) के तहत 40 से अधिक विद्यार्थियों के साथ एक पाठ्यक्रम पर शिक्षण के मिश्रित स्वरूप का परीक्षण किया है। पाठ्यक्रम के प्रारंभ में व्याख्यानों को रिकार्ड करके उन्हें प्रसारित किये जाने का कार्य किया जाएगा। इस कक्ष का प्रयोग विचार-विमर्श, स्पष्टीकरण तथा समस्याओं का समाधान करने के लिए किया जाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि इस परीक्षण को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रोग्रामिंग एसाइमेंट को संसोधित करने के लिए एक यंत्र (टूल) को सफलतापूर्वक डिजाइन करके उसे लागू किया गया है। विकासशील देशों के लिए अनोखी विशेषताओं वाले एक नये MOOC मैनेजमेंट सिस्टम 'mooKIT*' को विकसित किया गया है। इस मैनेजमेंट सिस्टम का प्रयोग साउथ फैसिफिक विश्वविद्यालय फिजी द्वारा क्लाउड चेंज पर आधारित पाठ्यक्रम एवं NPTEL के तहत कृषि विशेषज्ञों की मदद से कृषि पर आधारित अन्य पाठ्यक्रमों सहित लगभग 1200 मैसिव ओपन आनलाइन पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए किया गया है।

अनुसंधान एवं विकास

इस वर्ष संस्थान ने अपनी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सतत रूप से प्रगति हासिल की है। बाहर से पोषित परियोजनाओं की संख्या 553 तक पहुँच गई है जिनकी कुल लागत 511 करोड़ रुपये है। वर्ष 2015-2016 के दौरान संस्थान को 161 प्रायोजित तथा 122 परामर्शी परियोजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिनकी कुल लागत क्रमशः 98 तथा 16 करोड़ रुपये है। वर्ष के दौरान विभिन्न एजेंसियों द्वारा स्वीकृत महत्वपूर्ण अनुदानों का विवरण नीचे दिया जा रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST Rs. 25 करोड़), संचार एवं सूचना मंत्रालय

(MCIT Rs. 17.5 करोड़), विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB Rs. 14 करोड़), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD Rs. 9 करोड़), नाभकीय विज्ञान शोध बोर्ड (BRNS Rs. 5 करोड़) तथा भाभा परमाणु शोध केन्द्र (BARC Rs. 5 करोड़) । कुछ उद्योग जिन्होंने इस वर्ष परियोजनाओं को पोषित किया है उनमें प्रमुख हैं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, फोर्ड

मोटर कंपनी, गेल (इंडिया) लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, इंटरनेशनल वाटर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, यू.पी. स्माल इण्डस्ट्री डेवलपमेंट कारपोरेशन, यूनिलिवर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, लार्सन एवं ट्रबो लिमिटेड, हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, रिसर्च डिजाइन एण्ड स्टैंडर्ड्स आर्गनाइजेशन (RDSO), सैमसंग (इंडिया), बोईंग, लंको इन्फ्राटेक लिमिटेड। वर्ष के दौरान स्वीकृत की गई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सूची इस प्रतिवेदन के अंत में दी जा रही है।

स्वीकृत की गई प्रमुख परियोजनाएं

Studies on Aerosol Behaviour under Severe Accident Conditions in the Context of Indian Nuclear Reactors by Setting Up of National Aerosol Facility नामक परियोजना को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र एवं नाभकीय विज्ञान शोध बोर्ड द्वारा पोषित किया गया है । परमाणु ऊर्जा देश की बढ़ती ऊर्जा मांग पूरा करने के लिए एक व्यावहारिक विकल्प है । न्यूमेरिकल सिमुलैटर का प्रयोग करके परमाणु घरों की सुरक्षा का विश्लेषण किया जाता है । हालाँकि अभी भी और परीक्षण किये जाने की महती आवश्यकता है । इस संदर्भ में देश के अंदर पहली 'राष्ट्रीय एयरोसोल सुविधा' तथा एशिया के किसी शैक्षणिक संस्थान में इस प्रकार की सुविधा की स्थापना परमाणु ऊर्जा विभाग के सहयोग से की जा रही है । यह नई सुविधा 'गंभीर परमाणु भट्टी दुर्घटना परिदृश्य एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले उसके प्रभाव' हेतु एयरोसोल सोर्स टर्म सिमुलैटर की मात्रा निर्धारित करने में सहायता करेगी ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने नवाचार एवं रचनात्मक समस्या समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में एक डिजाइन इनोवेशन सेन्टर की स्थापना के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है । इस केन्द्र का उद्देश्य प्रौद्योगिकियों के व्यवसायिकरण हेतु शैक्षणिक समुदाय एवं उद्योगों के बीच भागीदारी को बढ़ावा देने तथा अंतर विषयक अभिकल्प केन्द्रित शिक्षा, शोध एवं उद्यमी संबंधी गतिविधियों को सुगम्य बनाना है ।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MCIT) ने इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड आईसीटी ऐकडमिक्स की स्थापना करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है । इस परियोजना का उद्देश्य सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की आपूर्ति के लिए क्लाउड कम्प्यूटिंग तथा अन्य अत्याधुनिक भण्डारण एवं आपूर्ति तंत्र का प्रयोग करके एक उच्च प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म का विकास करना है । इस प्लेटफार्मक तहत उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली तथा चण्डीगढ़ के सौलह हजार संकाय सदस्यों को सक्षम बनाने के लिए 'इन्टेलिजेंट तथा मिनी मैसिव ओपन आनलाइन पाठ्यक्रम प्लेटफार्म' का निर्माण किया जाएगा । उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में पहले से ही परीक्षित एवं विकसित इस प्रकार के प्लेटफार्म का प्रयोग शिक्षा क्षेत्र में उपलब्ध प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म का निर्माण करने, उनमें सुधार करने तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकी का प्रचार-प्रसार करने का कार्य में किया जाएगा ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार ने 'टीचिंग एण्ड लर्निंग सेन्टर' को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है । यह केन्द्र कई चरणों पर कार्य करेगा जिसमें शिक्षक सामर्थ्य एवं गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम, पाठ्यक्रम अंकेक्षण, पाठ्यक्रम अभिकल्प, पाठ्यक्रम स्वीकरण रणनीति तथा उपर दिए



गये अंत-क्रिया के दो स्वरूपों को सक्षम बनाने के लिए शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्मों का अभिकल्प करके उनका विकास करना शामिल है ।

Understanding Innate Responses to Odors and Odor Mixtures: Across&Species Integrated Approach नामक परियोजना को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इजराइल साइंस फाउन्डेशन ने पोषित किया है । मच्छर कई तरह के संकेतों का प्रयोग करके मानव का पता लगाता है जिनमें से वेज वकवते सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । ठीक इसी प्रकार चूहें जैसी दूसरी प्रजातियाँ भी पता लगाने में कामयाब होती हैं । विशिष्ट सुगंध स्वाभाविक आकर्षण एवं विमुखता का पता लगा सकती है और ये व्यवहारिक प्रतिक्रियाएं जैसे: भोजन, खतरा या साथी का पता लगाने मदद करती हैं । उस तंत्र को अच्छी तरह से समझा नहीं जाता है जो सुगंध के लिए स्वाभाविक रासायनिक संयोजन का निर्धारण करता है । इस परियोजना में परीक्षण के कई चरण शामिल होंगे जिसमें रेखांकित तंत्र को निर्धारित करने के लिए दो जानवर (मच्छर एवं चूहा) में विद्युतीय मनोविज्ञान, स्वभाव-जन्य परीक्षण तथा प्रकाशीय अनुवांशिकी को सम्मिश्रित किया जाएगा ।

Triggered Source of Single Photons and Photon Pair नामक परियोजना को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड द्वारा पोषित किया गया है । इस परियोजना का उद्देश्य दो आप्टिकल कैविटी से जुड़ी रुबिडीयम ऐटम के कम ठंडे सामूहिक प्रभाव का प्रयोग करते हुए सिंगल फोटोन्स एवं फोटोन पैयर्स के हाई ब्राइटनेस ट्रिगर्ड सोर्स का विकास करना है । यह परियोजना 'ए कैस्कैड फोर वेव मिक्सिंग स्कीम, संसाधनों का चरित्र-चित्रण करने के लिए फास्ट मल्टी फोटोन काउन्टिंग सिस्टम के साथ आन डिमान्ड फोटोन का सृजन करने के लिए दृष्टिगत रूप से उत्तेजित कोल्ड ऐटम' पर प्रस्तावित है । इस परियोजना की प्रमुख विशिष्टता अत्यन्त कम दृश्यता स्तर पर आपरेशन को सफल बनाने के लिए परमाणु समष्टि से जुड़े डबल कैविटी सिस्टम को लागू करना है । अगर द हाई ब्राइटनेस फोटोन सोर्स एक बार विकसित हो जाए तो फिर इसको कोल्ड ऐटम एवं साल्डि स्टेट वाले पदार्थों के मध्य एक इंटरफेस का सृजन करके एक नैनो पार्टिकल्स से लेकर दो ट्रिगर्ड फोटोन्स तक कान्फोकल के साथ जोड़कर प्रयोग में लाया जा सकता है ।

Active Fault]Paleoseismic and Crustal Deformation In North&West and Central Himalaya India: नामक परियोजना पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा पोषित एक परियोजना है । सिस्मक हैजर्ड असेसमेंट के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की राष्ट्रीय पहल का एक हिस्सा है । यह कमारुं गढ़वाल से लेकर हिमाचल प्रदेश तक

का क्षेत्र कवर करता है। इस परियोजना का उद्देश्य हिमालय क्षेत्र में सर्वाधिक भूकंप प्रवृत्त क्षेत्र का पता लगाना है तथा साथ ही साथ पैलिओ अर्थक्वेक हिस्ट्री के हिमालय री-कन्स्ट्रक्शन के डिजिटल एक्टिव फाल्ट ऐट्लस को तैयार करना तथा परमानेंट जीपीएस नेटवर्क के माध्यम से क्रस्टल डिफार्मेशन का आकलन करना है।



Developing Prototype of a smart Superconducting Fault Current Limiter (SCFCLSM) with Three Dimensional Field and Current Mapping Technology for Early Fault and Hot Spot Detection नामक परियोजना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पोषित किया गया है। ग्रिड को फाल्ट के लिए प्रतिरोधी बनाकर विद्युत आपूर्ति में होने वाले नुकसान (जिसमें ग्रिड से विद्युत का मुख्य रूप से आना-जाना शामिल है) के विरुद्ध पावर ग्रिड को संरक्षित करने की मांग लगातार बढ़ रही है। इस परियोजना का उद्देश्य एक स्मार्ट सुपरकंडक्टिंग सर्किट ब्रेकर का प्रोटोटाइप तैयार करना है जो फाल्ट होने की स्थिति में पावर ग्रिड को अलग करने का कार्य करता है। एक नई इमेजिंग टेक्नीक जो सुपरकंडक्टिंग स्विच में सृजित स्थानीय गर्म क्षेत्र का पता लगाने में मदद करती है, को भी विकसित किया जा रहा है। निर्मित की जा रही हाट इमेजिंग टेक्नीक की तस्वीर ऊपर दिखाई जा रही है।

Modulation of Adeno&Associated Virus (AAV) Replication by Host Cell Transcriptional Repressors: Pharmacologic and RNA Interference to Improve AAV Vector Delivery during Gene Therapy नामक परियोजना को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पोषित किया गया है। adeno – associated virus (AAV) अपबजवत का प्रयोग करते हुए जीन थेरेपी मानव जनित बीमारियों के उपाचार में एक कारगर विधि के रूप में कार्य करती है। इस परियोजना का उद्देश्य सामान्य एवं सूक्ष्म RNA के अंतर्गत एन्टी वायरल इम्यूनोटी में लिफ्त सैल्यूलर रेग्युलेटर्स की पहचान करना है। इस परियोजना को इसके पश्चात संबंधित शोध को लीवर डिटेक्टिड जीन थेरेपी में होस्ट इम्यून रिस्पान्स को समाप्त करने के लिए स्पिसिफिक माइक्रो RNA को व्यवस्थित करने के लिए नीतियाँ बनाने में प्रयुक्त किया जाएगा।

अनुसंधान हेतु मुलभूत सुविधाएं

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 1 जुलाई 2015 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में इलेक्ट्रानिक्स एवं इन्फार्मेशन टेक्नालाजी (Deity) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया मिशन के रूप में 'राष्ट्रीय फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रानिक्स' सेन्टर का रिमोट द्वारा उदघाटन किया गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित रसायन विज्ञान विभाग ने क्रिस्टल एक्स रे डिफ्रैक्टोमीटर, मास स्पेक्ट्रोमीटर एण्ड ए सैल कल्चर की स्थापना के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की FIST grant

(level II) के तहत 5.2 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया है।

जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग को भी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की FIST grant (level II) के तहत 4.86 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। इस अनुदान का उपयोग शोध सुविधाओं को उन्नत करने में खर्च किया जाएगा। साथ ही साथ मैमब्रेन प्रोटीन के क्रिस्टलीकरण हेतु रोबोटिक डिवाइस, ए नेक्सट जनरेशन सीक्वेंसिंग सिस्टम, ए हाई एण्ड फ्लूअरेसन्स – एक्टिवेटिड सेल सॉर्टिंग (FAC) को स्थापित करके मलैक्यूलर एवं स्ट्रक्चरल बायोलॉजी में अध्ययन करने के लिए पद्धतियों की शुरुआत की जाएगी। इसके अतिरिक्त छोटे जानवरों की इमेजिंग करने के लिए एक हाई रेज्यूलूशन माइक्रो कम्प्यूटिड टोमोग्राफी (माइक्रो सी टी) सिस्टम की सुविधा को भी बढ़ाया जा रहा है।



सिविल अभियांत्रिकी विभाग ने भी 2500kN सर्वो हाइड्रोलिक फोर कॉलम लोडिंग फ्रेम, कंट्रोलर ऑफ यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यू टी एम), 600सउच हाइड्रोलिक पॉवर यूनिट, साइकिलिक सिम्पल सीयर अपरेटस, इन्स्ट्रूमेंटेशन एण्ड डेटा एक्विजेशन सिस्टम (फार द सूडो डायनामिक टेस्टिंग फैसिलिटी) वाटर आइसोटाप एनालाइजर एण्ड शार्ट रेंज लेजर स्कैनर की खरीद करने के लिए FIST योजना के अंतर्गत 6.60 करोड़ रुपये का अंशदान प्राप्त किया है।

वर्ष के दौरान संस्थान में स्थापित की गई अन्य कृत्रिम सुविधाओं की सूची इस प्रतिवेदन के अंत में दर्शाई गई है।

औद्योगिक सहयोग

दिनांक 6 नवम्बर 2015 को राष्ट्रपति भवन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और डा केमिकल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (DCIPL) तथा इमर्शन नेटवर्क पावर के मध्य सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी 'भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड' (बीएचईएल) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। इस अनुबंध का उद्देश्य भारत में विद्युत उत्पादन एवं प्रेषण से संबंधित उन्नत शोध कार्यों को संचालित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की सर्वश्रेष्ठ बौद्धिक एवं प्रौद्योगिकीय क्षमताओं के साथ मिलकर बीएचईएल में उपलब्ध व्यापक एवं अत्याधुनिक सुविधाओं का फायदा उठाना है।

दिनांक 15 अक्टूबर 2015 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में 'टी.सी.एस. इनोवेशन डे ड्राइव' के रूप में श्री अनंत कृष्णा के नेतृत्व में



आई टी क्षेत्र की विशाल कंपनी टीसीएस हेतु एक वृहद प्रतिनिधि मण्डल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के शोध विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों तथा टी सी एस के व्यवसायियों के मध्य स्वतंत्र विचार-विमर्श हुआ। उल्लेखनीय है कि सहयोग पूर्ण शोध एवं 'रिसर्च कैफे' की संभावनों को तलाशने के लिए इसमें संस्थान के कई प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के विद्यार्थियों ने दिनांक (13 से 18 फरवरी) के मध्य 'मेक इन इंडिया वीक 2016' के रूप में मुंबई स्थित MMRDA Exhibition में भाग लिया जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा अभी हाल में विकसित की गई नवाचार प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया।



Display of Technology Developed at IIT Kanpur

11 मई 2016 संस्थान में 'टेक्नालॉजी डे' के रूप में मनाया गया। पहली बार डॉ. आर के सिन्हा, होमी भाभा चेयर प्रोफेसर (पूर्व निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा पूर्व निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र) ने इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सुशोभित किया। टेक्नीकल एसोसिएट्स लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री विष्णु अग्रवाल एवं हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड एक्सैसरीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आमंत्रित व्याख्यान दिये।

इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन

वर्ष के दौरान 7 डिजाइन पेटेंट सहित कुल 45 पेटेंटों को पंजीकृत किया गया तथा पूर्व में पंजीकृत किये गये 7 पेटेंटों को मंजूरी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त 4 प्रौद्योगिकियों को व्यावसायिकरण हेतु लाइसेंस प्रदान किया गया। वर्ष के दौरान बौद्धिक संपदा से अर्जित कुल आय 17 लाख रही।

अभी तक 344 पेटेंटों को पंजीकृत किया गया जिनमें से 34 पेटेंटों को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त फिलहाल 34 प्रौद्योगिकियों को व्यावसायिकरण हेतु लाइसेंस प्रदान किया जा चुका है।

वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित 'प्लैटफॉर्म इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेन्टर' में 34 कंपनियों को विकसित किया जा चुका है। यूनाइटेड किंगडम सरकार के इंटरनेशनल डेवलपमेंट विभाग द्वारा प्रमाणित तथा नेस्टा द्वारा लिखित रिपोर्ट शीर्षक 'गुड इन्क्यूबेशन इन इंडिया' नेस्टा तथा डीएफआईडी इंडिया के मध्य महत्वपूर्ण भागीदारी के एक हिस्सा है। इस रिपोर्ट में भारत के पाँच सफल इन्क्यूबेटर्स को लेकर किये गये अध्ययन को शामिल किया गया है।

इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेन्टर को इनोवेटिव वेन्चर एण्ड टेक्नालाजी फार डेवलपमेंट (INVENT) कार्यक्रम के तहत सामाजिक इन्क्यूबेटर होने की मंजूरी प्रदान की गई है। इस कार्यक्रम को भारत सरकार के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड तथा यूनाइटेड किंगडम सरकार के अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है।

इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेन्टर में विकसित किये गये Aarav

Unmanned System (AUS&www-aus-co-in) मानव रहित वायुयान स्टार्टअप (UAVs) startup को अगले चरण की आर्थिक सहायता Startup Xseed Venture, 3ONE4 Capital (ए फ़ैमली फण्ड ऑफ़ मिस्टर मोहनजदास पेई) The Phoenix Fund and HNIs द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने यू.एस. आधारित स्टार्टअप कंपनी टपेंहमडंच प्दब. के लिए विशिष्ट रूप से विकसित एक टेक्नालाजी को सफलतापूर्वक अनुज्ञप्ति प्रदान की है। यह टेक्नालाजी सामाजिक नेटवर्क के अंतर्गत व्यक्तिगत पहचान करने में सक्षम है। इस टेक्नालाजी में face recognition from weak supervision with noisy leble का प्रयोग किया जाएगा। इस टेक्नालाजी पर स्लोविनिया में ऑटोमैटिक फेस एण्ड जेस्चर रैकग्निशन (पी जी) 2015 – विषय पर आधारित इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स संस्थान के सम्मेलन में Where is my Friend? – Person identification in Social Networks नामक शोध पत्र भी प्रकाशित हो चुका है।

विकास की प्रक्रिया से गुजर रही एक कंपनी 'G T Silicon Pvt- Ltd' को भारतीय उद्योग संघ (CII) के इण्डस्ट्रीयल इनोवेशन अवार्ड 2015 के अंतर्गत Top 10 Promising Strat&U कंपनियों में आंका गया है। जी टी सैलिकान विवज – mounted pedestrian navigation को तराश रही है। Pedestrian navigation technology ने तीस सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन की सूची में स्थान बनाकर DST – Lockheed Martin India Innovation Growth Program का खिताब जीता है।

सिंघल लैब प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इंटरनेशनलाइलेशन के लिए 2015 का AABI Torch Award हासिल किया गया है जबकि यह कंपनी फिलहाल विकास की प्रक्रिया से गुजर ही रही है।

हिन्दी के क्षेत्र में सामाजिक नेटवर्किंग पोर्टल 'शब्दनगरी' द्वारा कानपुर ऐन्जल तथा दूसरे निवेशकों से ऐन्जल निवेश से 1.2 करोड़ रुपये हासिल किये गये हैं। यह पोर्टल Tridenet Analytical Solutions private Limited] an Incubate Company का एक महत्वपूर्ण पोर्टल है।

सिडबी इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेन्टर में दिनांक 4 मार्च 2015 को बायोइन्क्यूबेटर सपोर्ट स्कीम (BISS) के तहत बायोइन्क्यूबेटर का उदघाटन किया जा चुका है। यह बायोटेक्नालाजी, बायोफार्मा एण्ड फार्मास्यूटिकल कार्यों के लिए शोधन के क्षेत्र में कार्य कर रहे उदीयमान् उद्यमियों के लिए बहुत बड़ा प्रोस्ताहन है। इस केन्द्र में बड़े स्तर पर प्रोटीन प्रोडक्शन तथा फार्मास्यूटिकल कार्यों के लिए शोधन हेतु समग्र आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। Commercialization ready implant fabrication को सहयोग प्रदान करने के लिए इन्क्यूबेटर के पास हाई एण्ड वाले 10000 साफ सुथरे क्लास रूम हैं जो इस इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिए अपने आप में अनोखे हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर स्थित SAE Aero Design Team द्वारा Micro Clas तथा Payload fraction category at SAE Aero Design East 2016, Dallas Texas में आयोजित दोनों प्रतियोगिताओं के दूसरे विजेता के रूप में स्थान हासिल किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मान्यता प्रदान करते हुए शैक्षणिक एवं शोध संबंधी गतिविधियों को सहयोग के लिए कई विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहमति ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। जिनमें प्रमुख रूप से मेलबर्न विश्वविद्यालय, ज्तवलमे प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, इकोले ब्मदजतंसम डी नेंट्स, राष्ट्रीय अनुसंधान टॉम्स्क पॉलिटैक्निक यूनिवर्सिटी, प्रौद्योगिकी, KTH रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालाजी, लुंड विश्वविद्यालय, लूलिया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कैलगरी विश्वविद्यालय, ऑटारियो विश्वविद्यालय,



कैलगरी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुये

टेक्सस विश्वविद्यालय, डलास, उपलंप विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय इलान विश्वविद्यालय (NIU), चुलालोंगकॉर्न विश्वविद्यालय, नेल्सन मेंडला अफ्रीकीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी इंस्टीट्यूशन आदि शामिल हैं।

वित्तीय संसाधन संग्रहण

वर्ष 2015–2016 के दौरान 642 दानदाता दानदाताओं (461 भारत तथा 181 विदेशी दानदाता) द्वारा दिये गये दान से 412.70 लाख रुपये अर्जित हुए हैं। इनमें से प्रमुख दानदाताओं की सूची इस प्रकार से है। प्रोफेसर अशोक सेन (MSC2/PHY/1978) ने भौतिकी विभाग में अपने नाम पर सम्मेलन कक्ष की स्थापना के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। श्री तरनबीर सिंह (BT/CSE/2006) ने संकाय सदस्यों की भर्ती करने हेतु धन उपलब्ध कराया है।

डॉ रविन्द्र कुमार सखूजा (ठज्ज्डम्ह1966) ने सखूजा इनोवेशन सेन्टर की स्थापना के लिए धन उपलब्ध कराया है।

श्री बदरेश साह (BT/MME/1974) ने वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया है।

दानदाताओं, शुभचिंतकों तथा पूर्वछात्रों के उदार सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में निम्नलिखित अवार्ड, मेडल तथा छात्रवृत्तियों का गठन किया गया है।

- ✦ डॉ. कैलाश एन श्रीवास्तव द्वारा प्रोफेसर ए पी सिंह पावर सिस्टम रिसर्च अवार्ड का गठन किया गया है। यह अवार्ड विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के एम टेक विद्यार्थी को प्रति वर्ष प्रदान किया जाएगा।
- ✦ श्री वसुदेव डी नवेलकर (MT/CSE/2000) ने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में राधाबाई वसुदेव नवेलकर अवार्ड का गठन किया है। यह अवार्ड संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में सर्वोच्च सीपीआई हासिल करने वाली छात्रा को प्रदान किया जाता है।

- ✦ Eaton corporation द्वारा तीन योग्य छात्राओं को Pratiba& the Eaton Excellence Award प्रदान किया जाता है।
- ✦ कृष वैकटरमन कृष्णा (BT/EE/1975) द्वारा जयालक्ष्मी स्कालरशिप का गठन किया गया है। यह स्कालरशिप बी.टेक उत्तीर्ण छात्रा को प्रदान की जाती है।
- ✦ श्री स्वपन सेन गुप्ता (BT/CE/1976) ने सेनगुप्ता का गठन किया है। यह छात्रवृत्ति सिविल अभियांत्रिकी विभाग के ऐसे विद्यार्थी को दी जाती है जिसने स्ट्रेक्चर के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की हो।
- ✦ डॉ अशोक के जैन (PHD/CE/1978) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व अतिथि संकाय ने श्रीमती शांति जैन मैमोरियल स्कॉलरशिप का गठन किया है।
- ✦ डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सेवानिवृत्त संकाय द्वारा बी पी श्रीवास्तव स्कालरशिप का गठन किया है। यह छात्रवृत्ति आय के आधार पर दी जाती है और यदि विद्यार्थी का प्रदर्शन संतोषजनक रहता है उसे अगले साल भी जारी रखा जाता है।
- ✦ 'अनिता एवं संतोष मेहरा स्कालरशिप' के दानी श्री संतोष मेहरा (BT/EE/1966) तथा श्रीमती अनिता मेहरा द्वारा 2010 में गठित 'सुश्री अनिता मेहरा' छात्रवृत्ति की वर्तमान राशि को बढ़ाने के लिए और अधिक धन उपलब्ध कराया है।

वर्ष 1965,1989 तथा 1990 बैच के पूर्वछात्रों द्वारा अपरच्युनिटी स्कूल तथा कैंपस स्कूल को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उल्लेखनीय आर्थिक मदद प्रदान की है। प्रोफेसर तपन बागची (BT/EE/1966) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के औद्योगिक एवं प्रबंधन विभाग के पूर्व संकाय सदस्य द्वारा न्यू शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु उदार आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

सर्ज कार्यक्रम देशभर के अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए एक आऊटरीच कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम पूर्वछात्रों द्वारा उपलब्ध कराई गई आर्थिक मदद से 2015 के ग्रीष्मकाल में किया जा चुका है। इस कार्यक्रम में देशभर के संस्थानों से 64 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा परामर्शदाता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 55 संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों का चयन कड़ी प्रतिस्पर्धा के माध्यम से किया गया। लगभग 2200 आवेदन पत्रों में से 64 विद्यार्थियों का चयन किया है।

पूर्वछात्रों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियाँ

संस्थान के पूर्वछात्रों द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियाँ। वर्ष 2015–2016 के दौरान हमारे प्रतिष्ठित एवं सम्माननीय पूर्वछात्रों को विभिन्न सम्मान एवं अवार्ड प्रदान किये गये हैं।

- ✦ डॉ राकेश के जैन (BT/CHE/72) को प्रतिष्ठित नेशनल मेडल ऑफ साइंस प्रदान किया गया है। डॉ. जैन यू.एस. में साइंस के लिए इस सर्वोच्च सम्मान को प्राप्त करने वाले सभी आई आई टी में प्रथम आई आई टी एल्यूमनी हैं।
- ✦ डॉ. सौरभ श्रीवास्तव (BT/ME/1968) को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पदमश्री से नवाजा गया है। डॉ श्रीवास्तव भारतीय आई टी उद्योग के प्रति अपने असीम योगदान तथा भारत में vibrant entrepreneurial ecosystem के निर्माण का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं।
- ✦ प्रोफेसर वीना सहेजवाला (BT/MME/1986) को

AFR&Westpac 100 Women of Influence list के तहत इनोवेशन हेतु अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रोफेसर वीना सहेजावाला एक इनवेंटर तथा UN आस्ट्रेलिया के विज्ञान विभाग में पदार्थ विज्ञान की प्रोफेसर हैं। वह सतत पदार्थ अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के UNSW स्मार्ट सेन्टर की निदेशक हैं साथ ही साथ आस्ट्रेलियन रिसर्च काउन्सिल लॉरीएट की फ़ैलो भी हैं।

- ✧ 1987 बैच के प्रोफेसर मोहन मित्रा (MSE/MTH) तथा 1983 बैच के प्रोफेसर जी रविन्द्र कुमार (PHD/PHY) को इन्फोसिस साइंस फाउन्डेशन की ओर से इन्फोसिस प्राइज से सम्मानित किया गया है।

पूर्वछात्रों द्वारा उल्लेखनीय उद्यम - संबंधी प्रयास

संस्थान के पूर्वछात्रों द्वारा उद्यम से संबंधित किये गये कुछ प्रयास :

- ✧ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वछात्र दीपान्यू मालवीया (BT/MME/2006) तथा उनके सहयोगियों को अप्रैल 2015 में अंतरिक्ष में भेजे गये एक यान की Series A के अंतर्गत Lighespeed, Sequoia India & Times Internet Ltd से 20 मिलियन डालर प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में दिल्ली एनसीआर में क्रियाशील यह अंतरिक्ष यान 50 मार्गों पर 500 बसों को शटल की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसके अतिरिक्त यह यान पूरे महानगरीय क्षेत्र में 15,000 मार्गों की व्यवस्था को भी संभालता है।
- ✧ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वछात्र राहुल जायसवाल (BT/MME/2002) तथा अन्य सह-संस्थापकों द्वारा EnCashea-Com का उदघाटन किया गया है। इस उपक्रम में आपके घरों से सभी प्रकार के अप्रयुक्त पदार्थों को निशुल्क इकट्ठा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। EnCashea-Com टीच फार इंडिया का सहयोग करती है। यह संस्था एक गैर-सरकारी संगठन है जो शैक्षणिक असमानता को दूर करने तथा भारत के अब तक के सबसे बड़े सफाई अभियान 'स्वच्छ भारत अभियान' के लिए कार्य करती है।

संकाय भर्ती

संस्थान ने गतवर्ष 17 नये संकाय सदस्यों (सहायक प्राध्यापक) की भर्ती की है। ये भर्तियाँ पृथ्वी विज्ञान विभाग सहित समस्त विभागों के लिए की गई हैं। भर्ती किये गये प्राध्यापक अंतर्राष्ट्रीय अनुभव वाले बहुत ही योग्य व्यक्ति हैं। संस्थान को इन प्राध्यापकों से भारी उम्मीद है। संस्थान ने परिसर में इन सभी प्राध्यापकों का जोरदार तरीके से स्वागत किया।

पुरस्कार एवं सम्मान

संस्थान के संकाय सदस्यों ने शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया है। इनको व्यावसायिक संस्थाओं की फ़ैलोशिप तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रों के संपादकत्व सहित विभिन्न पुरस्कारों एवं सम्मानों के रूप में विधिवत् तरीके से मान्यता प्रदान की गई है।

मुझे आपके साथ यह समाचार साझा करते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर योगेश जोशी को अभियांत्रिकी विज्ञान के क्षेत्र में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जीव विज्ञान तथा जैव अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर एस गणेश भारतीय विज्ञान अकादमी के फ़ैलो के रूप में चुने गये हैं। जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग के डॉ नितिन गुप्ता को

वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलायंस द्वारा WT&DBT इंटरमीडिएट फ़ैलोशिप प्रदान की गई है। प्रो संदीप कुमार शुक्ला, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी तथा डॉ शिल्पी गुप्ता, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार की रामानुजन फ़ैलोशिप प्रदान की गई है। रसायन विज्ञान विभाग के डॉ आशीष कुमार पात्रा को JSPS जापान द्वारा JSPS इन्व्हेस्टेशन फ़ैलोशिप प्रदान की गई है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर संदीप वर्मा को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के फ़ैलो के रूप में चयनित किया गया है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मानस के घोरई और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत (इलाहाबाद) के फ़ैलो के रूप में चयनित किया गया है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर देवव्रत गोस्वामी को रायल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री (यूनाइटेड किंगडम) के फ़ैलो के रूप में चयनित किया गया है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी और यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर अविनाश कुमार अग्रवाल को भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (इंडिया) के फ़ैलो के रूप में चयनित किया गया है। प्रोफेसर इंद्रील मन्ना, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर को विकासशील देशों में विज्ञान की प्रसार के लिए विश्व विज्ञान अकादमी (IWA) के फ़ैलो के रूप में चयनित किया गया है। जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग के डॉ जयनधरन जी राव को बिड़ला विज्ञान केंद्र की ओर से बिड़ला विज्ञान पुरस्कार प्रदान किया गया है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर मनीन्द्र अग्रवाल को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के NASI रिलायंस प्लेटिनम जुबली अवार्ड से सम्मानित किया गया है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के डॉ नितिन सक्सेना तथा पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग डॉ नीलेश पी गुराव को वर्ष 2015 के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के युवा वैज्ञानिक मेडल से सम्मानित किया गया है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर के श्रीहरी को भारत की रासायनिक शोध संस्था की ओर से ब्रांज मेडल प्रदान किया गया है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर आर गुरुनाथ को पर्यावरण विज्ञान में भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली लेक्चर अवार्ड (2015) से सम्मानित किया गया है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर जे एन मूर्ति को पदार्थ विज्ञान में भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली लेक्चर अवार्ड (2015) से सम्मानित किया गया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर संदीप वर्मा को रासायनिक विज्ञान में भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली लेक्चर अवार्ड (2015) से सम्मानित किया गया। प्रो अमलेंदु चंद्रा, रसायन विज्ञान विभाग को भारत की केमिकल रिसर्च सोसायटी (CRSI) द्वारा सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया है।

रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र कुमार बेरा को परमाणु ऊर्जा विज्ञान अनुसंधान परिषद (डीईई-एसआरसी) के उत्कृष्ट अनुसंधान अवार्ड -2014 से सम्मानित किया गया है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ तरुण गुप्ता को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के Scopus Young Scientist अवार्ड से सम्मानित किया गया है। औद्योगिक प्रबंधन एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर कृपा शंकर को भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा 2015 के आउटस्टैंडिंग टीचर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। औद्योगिक प्रबंधन एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर कृपा शंकर तथा पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर दीपक मजूमदार को को भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा 2015 के आउटस्टैंडिंग टीचर्स अवार्ड से सम्मानित किया

गया है ।

विद्यार्थियों द्वारा अर्जित किये गये प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों से संस्थान को गर्व की अनुभूति होती है। गतवर्ष के दौरान विभिन्न स्कॉलरशिप पाने वाले विद्यार्थी इस प्रकार से हैं। प्रणव रविन्द्र मनिरीकर, अर्पित श्रीवास्तव, अरिहंत जैन, श्रुति अग्रवाल, सक्षम शर्मा को आदित्य बिरला स्कालरशिप प्रदान की गई है। सुश्री निशा को ए सी सी स्कालरशिप प्रदान की गई है। अक्षय विजय चौधरी, पियुष जैन, रिचा अग्रवाल, सीमान्ती मुखोपाध्याय को ओ पी जिन्दल स्कालरशिप प्रदान की गई है। सक्षम अग्रवाल और हार्दिक परवाना को होन्डा यश स्कालरशिप प्रदान की गई है। संचारी सेन शर्मा, ईला बरशिलिया तथा यशिका शर्मा को 'Pratibha Eaton Award' से सम्मानित किया गया है।

संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों की सूची इस प्रतिवेदन के अंत में दी गयी है

विद्यार्थी गतिविधियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सदैव प्रयासरत रहता है। संस्थान का उद्देश्य तकनीकी रूप से सुसंस्कृत व्यक्ति का निर्माण करना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों द्वारा चुने हुए क्षेत्रों में उनको भविष्य के अगुवा के रूप में सँवारना भी है। सहनशीलता, सामाजिक एवं मानवीय प्रतिबद्धता संस्थान के विद्यार्थियों की एक पहचान है। संस्थान इस भावना को छात्र जिमखाना एवं अन्य विद्यार्थी समूहों द्वारा चलाई जा रही विविध प्रकार की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित करता है। सुशासन में दृढ़ विश्वास रखने वाला 'विद्यार्थी जिमखाना' समस्त विद्यार्थियों को अपने हितों का अनुशीलन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

संस्थान ने ग्लैक्सी, तकनीक, स्पेक्ट्रम तथा वर्चस्व, इण्टरहॉल कल्चरल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, फिल्म एवं मीडिया एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं के रूप में क्रमशः कई इण्टर-हाल प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं और विद्यार्थियों ने इस सभी प्रतियोगिताओं का आनंद भी उठाया है। नये बैच के छात्रों में से कुछ प्रतिभाओं को खोजने के लिए 'Fresher inferno tournament' का आयोजन किया गया। 2015-2016 की जनरल चैम्पियनशिप में Melange नाम की एक नई प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ किया है। इस प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर समाज कल्याण एवं नेतृत्व की भावना को पोषित करना है। दो इंटर-कैंपस फेस्टिवल भी थे जिसमें संस्थान स्थित साँस्कृतिक परिषद तथा मांटेज जैसे विभिन्न क्लबों का प्रदर्शन देखने को मिला। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्मों को भी दिखाया गया।

छात्राएं 'विद्यार्थी जिमखाना' का एक सर्वोत्कृष्ट अंग हैं। सामान्य प्रतिस्पर्धा पर आधारित अपने स्वयं के नेतृत्व कौशल को निखारने के लिए छात्राओं को समान अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं। जनरल चैम्पियनशिप 2015-16 में 'Veer' नाम के एक नये पूल की शुरुआत की गई है। इसके साथ ही पूल्स की कुल संख्या 5 हो गई है। बससे नाम की नई संस्थाओं के प्रारंभ होने से विद्यार्थी जिमखाना को भारी परिवर्तन से गुजरना पड़ा है। इन नई संस्थाओं के तहत विशिष्ट तरीके के कार्य सम्पन्न किये जाएंगे जिनकी रिपोर्ट सीधे विद्यार्थी सीनेट को की जाएंगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया जिनमें प्रमुख इस प्रकार से रहीं।

- ✘ Inter&IIT Tech Meet: इस प्रतिस्पर्धा में संस्थान के विद्यार्थियों ने पाँच प्रतिस्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीतकर प्रथम रनरअप का स्थान हासिल किया है।
- ✘ SAE AERO Design East 2016: संस्थान की टीम पुष्पक ने इस प्रतिस्पर्धा में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा माइक्रो क्लास में दूसरे रनरअप का स्थान हासिल किया।
- ✘ IITK Motorsports&Motorsports: टीम ने तीन प्रतिस्पर्धाओं अर्थात SAE India, BAJA Student India and NIS Efficycle में भाग लिया तथा BAJA Students esa Best Tech Ready Team अवार्ड हासिल किया।
- ✘ ROBOCON&Team Robocon, IIT Kanpur ने इस प्रतिस्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करके पहली बार सर्वोच्च स्थान हासिल किया है।
- ✘ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की टीम ने 'Techfest'15 (IITBombay) and Techkriti*16 में कई पुरस्कार जीते हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स तथा एयरोमाडलिंग विषयों पर कई कार्यशालाएं तथा व्याख्यानों का आयोजन किया है। ऑटोडैक्स द्वारा गीष्कालीन शिविर के दौरान CAD modeling पर एक कार्यशाला का आयोजन किया है।

साँस्कृतिक परिषद

वर्ष के दौरान साँस्कृतिक परिषद द्वारा कुछ नई पहल की गई हैं जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है।

- हेरा-फेरी फिल्म के सहयोग से साँस्कृतिक परिषद ने एक वीडियो प्रोजेक्ट पर कार्य किया। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य विभिन्न क्लबों से जुड़े हुए विद्यार्थियों की प्रतिभा को समाज के सामने लाना था।
- विभिन्न समूह परिचर्चाओं का आयोजन किया गया।
- साँस्कृतिक परिषद ने पहली बार अनुभवी व्यक्तियों द्वारा संचालित In&Sem का आयोजन किया।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- सिटीजन एलायंस के सहयोग से कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा आयोजित 'Dhun' एक पैन इंडिया म्यूजिक बैंड प्रतिस्पर्धा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के बैंड 'Abhilasha' ने देश भर से आई 150 प्रविष्टियों में सर्वोच्च 10 स्थान पाने वाले बैंड्स में अपनी जगह बनाई है।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के आठ सदस्य वाले दल ने Rendezvous (IITD's cultural Festival) में भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तथा दो टीमों ने संसदीय वाद-विवाद में भाग लिया।
- अंतराग्नि 2015 के तहत विभिन्न क्लबों द्वारा अर्जित की गई महत्वपूर्ण उपलब्धिया: फाइन आर्ट क्लब द्वारा Modern Art] quilting] speed art and charcoal जैसी प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया गया। ड्रामेटिक क्लब द्वारा नुकड़ नाटक में दूसरा स्थान हासिल किया गया। इंग्लिश लिटरेरी सोसायटी

क्लब द्वारा Poetry Slam, Dumb C, World Games and JAM, Debating जैसी प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया गया। डिस्कशन सोसायटी द्वारा संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया गया। हिन्दी साहित्य सभा द्वारा आमने-समाने, काव्यांजलि, किरदार, शब्दरंग तथा इशारों-इशारों जैसी प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान हासिल किया।

- संस्थान की हिन्दी पत्रिका 'अंतस' को भारत सरकार के समस्त कार्यालयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं के मध्य हुई प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

फिल्म एवं मीडिया परिषद

परिषद की महत्वाकांक्षा संचार के विभिन्न साधनों के माध्यम से लोगों तक सूचनाएं पहुँचाना है। परिषद का इरादा इसको एक ऐसा मंच बनाना है जहाँ पर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं तथा विचारों को स्वतंत्रतापूर्वक प्रकट कर सके। फिल्म एवं मीडिया परिषद ने फोटोग्राफी, डिजाइनिंग, एनीमेशन आदि विषयों पर साल भर बड़ी संख्या में कार्यशालाओं का आयोजन किया है। इस साल एनीमेशन क्लब ने एक कार्यशाला का आयोजन किया जहाँ पर फ्रेशर द्वारा फ्रेशर नाइट के लिए एक stop&motion video प्रकाशित करने के लिए Stop Motion पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

Anime सोसायटी

गतवर्ष Anime सोसायटी का गठन किया गया तथा विभिन्न परिसरवासियों (जिनकी Anime संस्कृति में रुचि है) की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- इस वृहद परियोजना का समापन परिसर के महिमा मंडन को दर्शाने वाली वीडियो के साथ हुआ।
- टीचर्स डे के अवसर पर बनाई गई वीडियो भी अपने आप में एक अनूठा एवं पहला प्रयास था। इस अवसर पर प्रत्येक संकाय को गुब्बारे के रूप में उपहार दिया तथा शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर एक पत्रक (कार्ड) भी दिया।
- हेरा फेरी फिल्म के सहयोग के एक 50 मिनट की लघु फिल्म भी बनाई।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- 'BIOMOD' विद्यार्थियों के लिए एक वार्षिक बायोमैलैक्यूलर अभिकल्प प्रतिस्पर्धा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वस्नातक विद्यार्थियों ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया तथा सिल्वर मेडल भी जीता।
- सत्र की प्रमुख विशिष्टताओं में से एक कैंपस की पत्रकारिता सोसायटी-'वाक्स पोपुली' को पुनर्जीवित करना था। इस पत्रकारिता सोसायटी ने अभी हाल ही में वर्ष 2016 का अपना वार्षिक संस्करण भी प्रकाशित किया है।

रवेल-कूद परिषद

वर्ष के दौरान विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का उद्देश्य परिसरवासियों के विभिन्न वर्गों के मध्य 'port activities' का विस्तार करना था। इन कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से Bicycling Hobby Group, Summer Camp, Archery Workshop, Duathlon, Skat&a&thon, Aqua Buddies, Ivy Campus Run, RGF National Rural Games, Sports Star Series and Performer of the Year

Award शामिल हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के 115 सदस्यों के दल ने आई आई टी रूड़की में आयोजित sports fest Sangram, 15 में भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के प्रतिभागियों ने ऐथलैटिक (महिला एवं पुरुष दोनों), टेबल टेनिस तथा बैडमिंटन में स्वर्ण पदक, वॉलीबाल में रजत, टेनिस, वेटलिफ्टिंग, क्रिकेट तथा फुटबाल में कांस्य पदक जीता है।

इंटर आई आई टी रवेलकूद प्रतिस्पर्धा - 2016

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के खेल-कूद दल ने सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के खेल-कूद दलों से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और इस इंटर आई आई टी स्पोर्ट टैक प्रतिस्पर्धा - 2016 में महिला और पुरुष दोनों में 'ओवरऑल चैम्पियनशिप' जीती है।

उत्सव

संस्थान के अन्दर बड़े पैमाने पर आयोजित गतिविधियों जैसे (अंतराग्नि सांस्कृतिक उत्सव) टेककृति (तकनीकी एवं उद्यमी उत्सव) और उदघोष (खेलकूद उत्सव) आदि का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर समृद्धि एवं लक्ष्य प्राप्ति की भावना का संचार करना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से संस्थान को बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त हुआ है जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों का प्रबंधकीय कौशल देखने को मिला।

उदघोष

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 'उदघोष' 15 का आयोजन दिनांक 1 अक्टूबर से 4 अक्टूबर 2015 के मध्य किया गया। उदघोष देश के सबसे बड़े खेलकूद महोत्सव में से एक है जिनमें आई आई टी, एन आई टी तथा देशभर के प्रमुख संस्थानों से लगभग 54 कॉलेजों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन सभी प्रतिभागियों को संस्थान के अन्दर प्रतिस्पर्धा का अनूठा वातावरण उपलब्ध कराया गया।

'उदघोष' 15 के अंतर्गत प्रतिस्पर्धाओं में वृद्धि देखने को मिली जिसमें क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, ऐथलैटिक्स, खो खो, स्क्वैश, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, चौस, वालीबॉल, बास्केटबॉल तथा पॉवर लिफ्टिंग प्रतिस्पर्धाएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इस वर्ष संस्थान में अधिकतर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों एवं उनके खिलाड़ियों की भागीदारी देखने को मिली जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक खेल-कूद प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट में खो-खो खेल-कूद प्रतियोगिता पहली बार प्रारंभ की गई है जिसमें लगभग 12 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। परिसर में मशाल जलूस निकाला गया जिसके पश्चात ओपनिंग नाइट के अंतर्गत न्यू सैक स्थित ओपन एयर थियेटर में 'द लोकल ट्रेन' का प्रदर्शन किया गया। 'उदघोष' 15 के समापन समारोह में श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर श्री सनत जयसूर्या विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण दिनांक 4 अक्टूबर को आयोजित मैराथन दौड़ रही। इस मैराथन में 150 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा ग्यारह किलोमीटर की दौड़ लगाकर इस प्रतिस्पर्धा को सफल बनाया। क्वंजीसवद प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया गया जिसमें संकाय सदस्यों सहित लगभग दो सौ लोगों की भागीदारी देखने को मिली। इस प्रतिस्पर्धा के दूसरे दिन मुख्य ओडीटोरिम के सामने 'ळीवेज

त्पकमते' द्वारा बाइक पर स्टन्ट दिखाया गया । कंसर्ट नाइट के अंतरगत निखिल डिस्सूजा द्वारा एक कंसर्ट का आयोजन किया गया । भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका के मध्य खेले गये मैच के प्रसारण की व्यवस्था भी की गई ।

अंतराग्नि

गतवर्ष अंतराग्नि ने अपनी गोल्डन जुबली मनाई । अंतराग्नि का विस्तार काठमांडू (नेपाल) सहित देश के ग्यारह प्रमुख शहरों में फैला हुआ है । प्रथम बार अंतराग्नि में अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी देखने को मिली । अंतराग्नि में पहली बार स्कूली स्तर की साँस्कृतिक प्रतियोगिता 'प्रौडिजी' का शुभारंभ किया गया । गुणवत्तापूर्ण एम यू एन (मॉडल यूनाइटेड नेशन) को सुनिश्चित करने तथा देश के अन्दर अन्य एम यू एन (मॉडल यूनाइटेड नेशन) स्तर की प्रतिभागियों को अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महोत्सव के प्रारंभ होने से पूर्व ही एम यू एन (मॉडल यूनाइटेड नेशन) का आयोजन किया जा चुका था । 'सिंगल डे रजिस्ट्रेशन' के माध्यम से ओपन फेस्ट मॉडल को लागू किया गया जिसमें उत्तर भारत के सबसे बड़े साँस्कृतिक महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को अनुमति प्रदान की गई ।

अंतराग्नि 15 में कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों को आमंत्रित किया गया जिनमें अमित त्रिवेदी, न्यूकिलिया, अनीस सूद, सुनिधि चौहान, नीति मोहन, भयानक माट (रॉक बैंड), ब्लैकस्टार ब्लू (रॉक बैंड), इंडियन जैम प्रोजेक्ट, ए कलेक्टिव (इजराइल बैंड), स्कि लर (बु ल गे रियन बीटबॉक्सर) रनविजय, कुमार मनोर, राहत इंदौरी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहें ।



टेककृति

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा आयोजित टेककृति एक वार्षिक अंतर विद्यालयी प्रौद्योगिकी तथा उद्यमिता महोत्सव है । टेककृति के इस बाइसवें संस्करण का मूल विषय 'बियान्ड अवर प्लेनेट' था जिसमें राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के दूसरे कॉलेजों के 2400 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति देखने को मिली । अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति डॉ हामिद करजई के व्याख्यान के साथ टेककृति का शुभारंभ हुआ । इसके अतिरिक्त विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता श्री विकास स्वरूप, डॉ लिन इवान्स, निदेशक, लीनियर कोलाइडर कलेबरेशन सीईआरएन, पूर्व परियोजना प्रमुख, लार्ज हैड्रान कोलाइडर, माइक लिबिकी (नेट जियो एडवेंचर -2013), प्रदीप सिंधु - संस्थापक, जुनिपर नेटवर्क, जॉर्ज गेब्रियल चाम - चीनी पनामेनियन कार्टूनिस्ट एण्ड रोबोटिस्ट, क्रिरिएटर ऑफ "पीएचडी कामिक्स", एलेक्स हचिसन-क्रिएटिव डायरेक्टर, यूबिसॉफ्ट आदि को इस महोत्सव में आमंत्रित किया गया । इंटरनेशनल आटोनामस रोबोटिक चैलेंज (आईएआरसी), अंतर्राष्ट्रीय रोबोट गॉट टैलेंट (आईआरजीटी), टेककृति ग्रांड प्रिक्स (IGP), टेककृति इनोवेशन चैलेंज (टीआईसी), मल्टीरोटर, वाइल्ड सोकर, स्काई स्पाक्स, एम्बेडेड, ऐपथान, बिजनेस एण्ड इंटरप्रिनयोर इवेंट आदि अभिभूत कर देने वाली प्रतिस्पर्धाएं भी टेककृति के दौरान देखने को मिली हैं । टेककृति के दूसरे चरण में ग्यारह शहरों के अंदर तीन चरणों में 'ओपन स्कूल चैम्पियनशिप' का आयोजन किया गया ।

इस बार टेककृति, जो टेककृति का एक क्षेत्रीय क्रम है, का आठ शहरों में आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धाओं के लिए 1000 एवं कार्यशालाओं के लिए 1700 विद्यार्थियों ने भाग लिया । टेककृति के बाइसवें संस्करण के दौरान सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कुछ कार्यक्रमों का भी संचालन किया गया जिनमें स्प्रेडिंग स्माइल, कार लॉच इवेंट ऑफ टीम एफएसएई, आई आई टी कानपुर, न्यू ईयर सैलिब्रेशन, ऐक्सेसबल इंडिया कैम्पेन, एस्ट्रो फोटोग्राफी तथा पैनल डिस्कशन ऑफ स्पेस एक्सप्लोरेशन आदि प्रमुख रहे ।

टेककृति के दौरान कुछ बड़े कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी देखने को मिली जिनमें - फरहान स्प्टर्क फरहान एण्ड टीम कॉन्सर्ट, सनबर्न कैम्पस, टीवीएफ के साथ इंटरएक्टिव सेशन, फायर एण्ड एल. ई. डी. शो, बाइक स्टंट शो आदि टेककृति के प्रमुख आकर्षण रहे ।

परामर्श सेवा केन्द्र

परामर्श सेवा केन्द्र एक ऐसा संगठन है जहाँ पर विद्यार्थियों को भावनात्मक, शैक्षणिक तथा वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके कल्याण को सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है । इसके अतिरिक्त इस केन्द्र का उद्देश्य गंभीर विषयों के प्रति परिसरवासियों को जागरूक करना भी है । विद्यार्थियों की सुख-समृद्धि की देखभाल करके यह केन्द्र इस बात को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर मात्र एक संस्थान ही नहीं बल्कि परिसरवासियों के लिए घर से दूर एक दूसरा घर है । परामर्श सेवा केन्द्र में अनुभवी परामर्शदाता, मनोचिकित्सक तथा स्वयंसेवी विद्यार्थियों का एक ऐसा समूह शामिल है जो दिन-रात विद्यार्थियों के कल्याण कार्य में लगा हुआ है ।

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के दौरान 1377 परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया है तथा प्रत्येक सत्र में मनोचिकित्सकों को बुलाया गया है इसके अतिरिक्त जब कभी भी कोई आपातकालीन स्थिति उत्पन्न होती है तो उस स्थिति में पीड़ित विद्यार्थी को स्वयं सेवी विद्यार्थियों के साथ सीधे मनोचिकित्सक के क्लिनिक पर भेज दिया जाता है ।

वित्तीय सहायता

परामर्श सेवा केन्द्र 'विद्यार्थी कल्याण निधि' के माध्यम से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी उपलब्ध कराती है । यह छात्रवृत्ति ऐसे विद्यार्थियों के लिए है जो अपनी वित्तीय जरूरतों को सिद्ध करता है परन्तु फिर भी उसको संस्थान या अन्य किसी माध्यम से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही हो । शैक्षणिक सत्र 2015-2016 के दौरान 100 विद्यार्थियों को 9 महीने के लिए प्रतिमाह 1500 रुपये की दर से छात्रवृत्ति प्रदान की गई है । इसके अतिरिक्त छात्र कल्याण निधि से ऐसे विद्यार्थियों को भी ऋण उपलब्ध कराया जाता है जिनको वित्तीय सहायता की बहुत अधिक जरूरत रहती है ।

शैक्षणिक सहायता

शैक्षणिक सहायता ऐसे विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाती है जो शैक्षणिक दबाव को झलने में दिक्कत महसूस करते हैं । रीमीडिअल कक्षाएं, स्टेडी हार्स, टेक्नीकल टर्मिनलाजिकल आदि कक्षाएं व्यक्ति विशेष एवं समूह के लिए निशुल्क आयोजित की जाती हैं ।

शैक्षणिक परिवीक्षा के तहत विद्यार्थियों को सहायता

परामर्श सेवा केन्द्र की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक शैक्षणिक

प्रोबेशन/वार्निंग के दौरान विद्यार्थियों को भावनात्मक तथा शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना है। इस वर्ष शैक्षणिक प्रोबेशन/वार्निंग पाने वाले विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दल द्वारा एक संदर्शिका उपलब्ध कराई गई। इस मार्गदर्शक दल जिम्मेदारी परामर्श के लिए उनको आवंटित विद्यार्थी की देख-भाल करना तथा परामर्शदाता और विद्यार्थियों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करना है। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रोबेशन/वार्निंग के लिए परामर्शदाताओं द्वारा एक सत्र का आयोजन किया गया।

ओरिएन्टेशन प्रोग्राम

परिसर में नये विद्यार्थियों के आगमन पर उनकी दिनचर्या को सुगम बनाने के लिए संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं, सेवाओं, कर्मचारियों, नियमों एवं विनियमों से उनको परिचित कराने के लिए प्रत्येक वर्ष शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व एक ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

ओरिएन्टेशन कार्यक्रमों के तहत जिमखाना प्रेजन्टेशन, परामर्शदाताओं द्वारा सत्रों का आयोजन, ग्रूप एक्टिविटीज एवं विंग कम्पटीशनस आदि का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष प्रोफेसर हरीश वर्मा द्वारा सामाजिक जागरूकता एवं नैतिकता विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

माइन्डफुलनेस पर आधारित मेडिटेशन टेक्नीक, सेसन ऑन एडेक्टिव विहेवियर आदि पर एक सत्र का आयोजन किया गया। 'लेट्स बी देयर फॉर ईच एदर' नामक विषय पर 'वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे' का आयोजन किया गया।

अंग्रेजी भाषा को बोलने एवं समझने में कठिनाई महसूस करने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्र के दौरान निशुल्क इंग्लिश कान्वर्सेशन कक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

एक्सपलोर योर डिपार्टमेंट, सेसन ऑन स्टेडी टेक्नीक, इंटरन ज्ञान, ईएसओ/एसओ अवेर्नस सेशन तथा व्हाट टू डू इन समर्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कई सत्रों का आयोजन किया गया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में परास्नातक शिक्षा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में परास्नातक शिक्षा का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली वैज्ञानिक एवं अभियांत्रिकी से संबंधित मानव शक्ति का विकास करना तथा उद्योग जगत, अनुसंधान एवं विकास संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों की जरूरतों को पूरा करना है। इसके अतिरिक्त विज्ञान एवं वैज्ञानिक विधियों के मूलभूत सिद्धान्तों, विशिष्टता वाले क्षेत्रों में गहरी पकड़, नई समस्याओं के समाधान के लिए अभिनव योग्यता तथा सतत रूप से सीखने की क्षमता और बहु-विषयक समूहों के साथ आपसी विचार-विमर्श की समझ को विकसित करना है। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए परास्नातक पाठ्यक्रमों का खाका इस प्रकार से किया जाता है कि उनमें कोर्स ऑफ स्टेडी, सेमिनार एण्ड प्रोजेक्ट/थीसिस जैसी चीजों को शामिल किया जा सके ताकि इनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी अवधारणा एवं बौद्धिक कौशल का विकास कर सकें।

मुझे आपके साथ यह जानकारी बाँटते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि गत दीक्षान्त समारोह में सीनेट द्वारा अनुमोदित 151 विद्यार्थियों

को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई हैं। इसके अतिरिक्त 1017 अन्य परास्नातक उपाधियाँ भी प्रदान की गईं जिनमें [513 एम. टेक., 33 एम.बी.ए., 37 एम.डिस., 39 वी.एल.एफ.एम., 124 एम.एस.सी. (द्विवर्षीय), 21 एम.एस.सी. (एकीकृत), 250 बी.टेक.-एम.टेक. (ड्यूबल डिग्री का एमटेक पार्ट)] शामिल हैं।

नये परास्नातक पाठ्यक्रम

रासायनिक अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी आदि विभागों में वर्ष 2015 के दौरान मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.) नाम के नये पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त फोटोनिक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में भी एक अंतर-विषयक पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

परास्नातक विद्यार्थियों से जुड़ी हुई गतिविधियाँ

जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित जैव विज्ञान एवं जैविक अभियांत्रिकी विभाग के एम टेक पाठ्यक्रम को देश के अंदर संचालित किये जा रहे इस प्रकार के 71 पाठ्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ पाठ्यक्रम के रूप में स्थान हासिल हुआ है। बायोटेक कंसल्टिंग इंडिया लिमिटेड के सहयोग से एक विशेषज्ञ दल द्वारा इसका स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है।

परास्नातक स्तर पर विद्यार्थियों का नियोजन

इस साल कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम में लगभग 300 कंपनियों ने भाग लिया। कैंपस प्लेसमेंट प्रोग्राम में भाग लेने वाली कंपनियों में प्रमुख रही : गूगल, मित्सुबिशी, Schlumberger, अमेरिकन एक्सप्रेस एसएपी, आईटीसी आदि।

इस वर्ष लगभग 411 विद्यार्थियों ने नियोजन के लिए अपना पंजीकरण करवाया। विद्यार्थी नियोजन कार्यालय के माध्यम से आज की तारीख तक कुल 280 विद्यार्थियों को नियोजन (रोजगार) के प्रास्तव प्राप्त हो चुके हैं। मास्टर ऑफ डिजाइन उपाधि-धारक विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के साथ सर्वोच्च स्थान रहा इसके पश्चात दोहरी उपाधि वालों का 93: एम बी ए उपाधि वालों का 80:, एम टेक उपाधि वालों का 64:, एमएससी (द्विवर्षीय) उपाधि वालों का 60: रहा। नियमित नियोजन प्रस्ताव के अतिरिक्त 108 विद्यार्थियों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी प्राप्त हुए हैं।

परास्नातक स्तर के पूर्वछात्रों का विशिष्ट सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्वछात्रों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करके राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर के मैलेक्यूलर बायोफिजिक्स यूनिट के प्रोफेसर डॉ गोपाल बालासुब्रमण्यम तथा इण्डियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस संस्थान स्थित आर्गेनिक रसायन विभाग के प्रोफेसर डॉ प्रद्युत घोष को क्रमशः जैव विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान में उनके योगदान के लिए वर्ष 2015 का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है। टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई के परमाणु एवं नाभकीय भौतिकी विज्ञान के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ राजेन्द्र कुमार गटमराजू तथा टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई के ही गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ मेहन मित्रा को क्रमशः भौतिकी विज्ञान एवं गणित

विज्ञान में उनके योगदान के लिए वर्ष 2015 के इन्फोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। बायोमेडिकल रिसर्च नोवार्टिस संस्थान के प्रेजीडेन्शियल फैलो डॉ इंड्रनील बनर्जी को वर्ष 2016 का फाइजर अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय थीअरेटिकल विज्ञान केन्द्र के अर्चिसमन घोष को फन्डामेन्टल फिजिक्स के अंतर्गत वर्ष 2016 के ब्रेकथ्रू प्राइज से सम्मानित किया है। राइस यूनिवर्सिटी के पोस्ट डाक्टरल फैलो डॉ रोहन इरन्ड को वर्ष 2014 के इली लिल्ली आउटस्टैंडिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया है यूएच स्थित मैनटेक लेक्चर के स्टाफ इंजीनियर डॉ नवीन वेटचा को एएसएमई द्वारा वर्ष 2016 के आउटस्टैंडिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जी ई ग्लोबल रिसर्च सेन्टर स्थित रिसर्च सेन्टर ओलिव राय को आई ई ई इण्डस्ट्री एप्लीकेशन सोसायटी (आई ए एस) थीसिस कान्टेस्ट 2016 के अंतर्गत द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। सुश्री ज्योति मिश्रा को बिजनेस स्ट्रैटजी एण्ड प्लानिंग, अमेरिकन एक्सप्रेस के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर अश्वनी ननजिया को सीएआईआर की पुणे स्थित राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री निखिल उपाध्याय, आरव अनमैन्ड सिस्टम के सह संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, को इंडिया चौलेंज के दौरान 'क्वालकाम डिजाइन' के अंतर्गत सर्वोच्च दस कंपनियों में कंपनी को स्थापित करने के लिए पुरस्कृत किया गया है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में पूर्व स्नातक शिक्षा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में पूर्व स्नातक शिक्षा का उद्देश्य प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना है। इस लक्ष्य के अंतर्गत संस्थान सक्षम, सृजनात्मक एवं उपयोगी अभियंताओं एवं वैज्ञानिकों का सृजन करता है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विद्याओं में वस्तुपरक अनुसंधान की स्वतंत्र भावना तथा ज्ञान के विकास को बढ़ावा दिया जाता है साथ ही साथ दल भावना तथा नेतृत्व क्षमता रखने वाले प्रबंधकीय एवं उद्यमिता में कुशल प्रौद्योगिकीविदों तथा वैज्ञानिकों का निर्माण करना तथा प्रौद्योगिकी विकास (जिसकी आज अत्यन्त जरूरत है) के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

मई 2016 को समाप्त शैक्षणिक वर्ष बहुत ही संतोषजनक रहा है। सीनेट द्वारा अनुमोदित कुल 885 पूर्व स्नातक विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं जिसमें 497 बी.टेक., 250 बी.टेक.-एम. टेक. (बी.टेक. पार्ट ऑफ ड्यूल डिग्री), 49 बैचलर ऑफ साइंस (बी. एस.) [चार वर्षीय], 12 डबल मेजर, 66 बैचलर ऑफ साइंस (बी.एस.) – मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.), 6 बैचलर आफ टेक्नालाजी (बी.टी.) – मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.), 1 बैचलर ऑफ टेक्नालाजीकी (बी.टी.)-मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिन्स्ट्रेशन (एम. बी. ए.) तथा 4 एम. एस. – पी.डी. की उपाधियाँ शामिल हैं।

पूर्व स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों का नियोजन

इस वर्ष लगभग 638 पूर्व स्नातक विद्यार्थियों ने नियोजन के लिए अपना पंजीकरण कराया। उल्लेखनीय है कि अभी तक नियोजन कार्यालय के माध्यम से 524 विद्यार्थियों को रोजगार के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिनमें बैचलर ऑफ टेक्नालाजी (बी.टेक) की उपाधि धारक 79 प्रतिशत विद्यार्थियों को रोजगार के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नियमित नियोजन प्रस्तावों के अलावा, 108 विद्यार्थियों को नियोजन पूर्व भी रोजगार के प्रस्ताव (पीपीओ) प्रदान किये गये हैं।

पूर्व स्नातक स्तर के पूर्वछात्रों का विशिष्ट सम्मेलन

मुझे आपके साथ यह समाचार साझा करते हुए अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि 'कम्प्यूटर एसोसिएट टेक्नालाजी इन्कॉर्पोरेटिड' के चेयरमैन डॉ सौरभ श्रीवास्तव को वर्ष 2016 के लिए भारत से चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल स्थित मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के ट्यूमर प्रोफेसर तथा मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल में ट्यूमर बायोलॉजी स्थित ई एल स्टील प्रयोगशाला के निदेशक प्रोफेसर एंड्रयू ब्रिक कुक को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करने तथा संबंधित क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने पर संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े सम्मान 'नेशनल मेडल ऑफ साइंस, द यू.एस.' से सम्मानित किया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति माननीय श्री बराक ओमाबा व्हाइट हाउस में होने वाले सम्मान समारोह में इस 65 वर्षीय भारतीय अमेरिकी प्रोफेसर को संयुक्त राज्य अमेरिका के इस सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करेंगे। यूएनएसडब्ल्यू आस्ट्रेलिया स्थित विज्ञान विभाग में पदार्थ विज्ञान के प्रोफेसर तथा सस्टेनेबल मैटेरियल्स रिसर्च एण्ड टेक्नालाजी में यूएनएसडब्ल्यू स्मार्ट सेन्टर की निदेशक प्रोफेसर वीना सहेजवाला को इनोवेशन की श्रेणी में वर्ष 2015 के आस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू एण्ड वेस्टपैक (100 प्रवाभशाली महिला) अवार्ड से सम्मानित किया गया है मैसाचुसेट्स इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (एमआईटी) के प्रोफेसर डॉ अरुण चक्रवर्ती को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस, यू.एस.ए. के लिये चयनित किया गया है। अर्बन क्लेप के सह-संस्थापक श्री वरुण खेतान तथा श्री अभिराज भल को फाइनेंशियल टाइम्स (रैंक-ए) द्वारा वर्ष 2015 के स्टार्टअप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। संस्थान के पूर्व छात्रों श्री अश्वनी कुमार रावत एवं श्री अमर्श चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित Transerve Technologies कंपनी गोवा में आयोजित भारत के 'अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप समिट' में अवार्ड प्राप्त करने वाली एकलैडी इंडियन स्टार्टअप कंपनी थी। श्री सरोज कुमार झा को फरवरी 2016 में वर्ल्ड बैंक कान्पिलवट एण्ड वायलेन्स ग्रुप के वरिष्ठ निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

वित्तीय संसाधन संग्रहण एवं बाधाएँ

वित्तीय वर्ष 2015-2016 के दौरान संस्थान को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से गैर-योजना के तहत कुल 199.85 करोड़ तथा योजना के तहत 197.50 करोड़ रुपये सहायता अनुदान के रूप में प्राप्त हुए हैं। वित्तीय वर्ष 2015-2016 के दौरान सरकार ने प्रति विद्यार्थी 6.25 लाख रुपये निवेश किये हैं। संस्थान सरकारी धन की उपयोग प्राथमिकता के आधार पर करता है। इस संदर्भ में अपनी शोध सुविधाओं को और उन्नत करने के लिए संस्थान को अपनी आय के आंतरिक संसाधनों को बढ़ाने की महती आवश्यकता है।

आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पास फ़ैकल्टी चेयर, यंग फ़ैकल्टी रिसर्च फ़ैलोशिप, स्कालरशिप एण्ड अवार्ड फार स्टूडेंट्स, कम्प्यूनिटी आउटरीच एक्टिविटीज, स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट्स, स्टूडेंट्स ट्रैवल, इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी अनेक परियोजनाएँ हैं जिनको भारी सफलता प्राप्त हुई है। ये सभी परियोजनाएँ उदारतापूर्वक दिये गये दान की वजह से सफल हो पाई हैं। संस्थान का उद्देश्य इन उपलब्धियों संजोए रखने के साथ साथ पूर्व छात्रों के मध्य संबंधों को और प्रगाढ़ बनाए रखना है।

पिछले कई वर्षों से संस्थान में शोध के लिए उपलब्ध कराये गये प्रायोजित धन एवं शोध उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि देखने को मिली है और विभिन्न विद्याओं में प्राप्त की गई सफलताओं को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हुई है। संस्थान को शोध एवं आविष्कार, ज्ञान निर्माण, व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक पेटेन्टों को सृजित करने तथा उद्यमों को गति प्रदान हेतु एक 'रिसर्च कॉम्प्लेक्स' स्थापित करने की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त संस्थान में छात्रों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए दिन-प्रतिदिन शोध सुविधाओं में संवर्धन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मुख्य पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त प्रयोगशालाओं तथा विभिन्न विभागों की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अतिरिक्त जगह की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस कार्य को संस्थान के पूर्वछात्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले उदार अंशदान से ही पूरा किया जा सकता है।

मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि संस्थान में होने वाले अनुसंधान एवं विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए उदारतापूर्वक अंशदान देने की पहल करें।

उपसंहार

आज इस दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले प्रिय छात्रों 49 वें दीक्षान्त समारोह के इस शुभ अवसर पर मैं आप सब को बधाई देता हूँ तथा अर्जित की गई उपलब्धियों के लिए आपकी प्रशंसा करता हूँ। मैं 2016 बैच के पास आउट विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। मैं आपके अभिभावकों का भी अभिवादन करना चाहता हूँ, जिन्होंने आपकी इस सफलता में निश्चित रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया है। मन में श्रेष्ठ उद्देश्यों को लेकर आज आप अपनी मेहनत एवं ज्ञान की बदौलत ज्ञान के इस मंदिर से इच्छित उपाधि धारण करके हजारों-करोड़ों विद्यार्थियों से अलग होने जा रहे हैं। चूंकि आज से आप और भी बड़े उत्तरदायित्व को ग्रहण करने जा रहें हैं इसलिए इस अवसर पर मैं आपके साथ अपने विचार साझा करना चाहता हूँ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में रहते हुए आपने विज्ञान और यथार्थ की खोज के लिए कुछ न कुछ अंशदान प्रदान करने में समर्थ रहे होंगे। निश्चित रूप से इसी प्रकार के योगदान एवं अंशदान से सभ्यता आगे बढ़ती है। नामकीय भौतिक विज्ञान के जनक रदरफोर्ड ने इसे सुस्पष्ट तरीके से समझाया है।

विज्ञान धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। वैज्ञानिक किसी एक व्यक्ति के विचार पर निर्भर नहीं रहते बल्कि हजारों लोगों के संयुक्त विचारों का अध्ययन करते हैं। सभी वैज्ञानिक एक समस्या पर चिंतन करते हैं फिर भी नये आविष्कार में अपना थोड़ा ही योगदान दे पाता है।

हमारे देश की महान हस्तियों ने शिक्षा के अंतिम लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित किया है। इस शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रमाण पत्र प्रदान करने या फिर स्वीकृत मानकीकरण उपलब्ध कराना ही नहीं है बल्कि व्यक्ति को अज्ञानता, पूर्वाग्रह और अभिमान से मुक्ति पाने की शक्ति प्रदान करना भी है। मुझे ठाकुर रवीन्द्र नाथ टैगोर की पुस्तक गीतांजलि की पंक्तियां याद आती हैं :

ईश्वर से मेरी ये प्रार्थना है

*मुझे इतनी शक्ति दे कि मेरी सेवा प्रेम पूर्ण और फलदायी हो
मुझे इतनी शक्ति प्रदान करें कि मैं दुर्बलों के प्रति जिम्मेदारी
वहन कर सकूँ और अहंकारी के सामने दुर्बल न बवूँ और
इतनी शक्ति प्रदान करें कि आपके समक्ष नतमस्तक रहूँ और
आपकी प्रेमपूर्ण कृपा मुझपर रहे*

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में प्रवास के दौरान की आपकी दिनचर्या अब व्यावसायिक जगत की व्यस्त एवं भागम भाग वाली दिन-चर्या में बदलने वाली है। आपकी इस उपलब्धि में आपके मातृ संस्थान एवं माता-पिता द्वारा उपलब्ध कराई गई परवरिश अब सुखद यादगार बनकर रह जाएगी। मेरी शुभकामनाएं हैं कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से प्राप्त शिक्षा एवं संस्थान में प्रवास की यादें आपको जिदंगी भर आतीं रहें।

जय हिन्द,

प्रकाशित पुस्तकें

1. अनुकूली एयरोसर्वोइलेस्टिक, आशीष तिवारी (एई), जॉन विले एंड संस, चिसेटर, ब्रिटेन।
2. एलीमेंट ऑफ हीट ट्रांसफर (काम्प्लेक्स चीनीज), ई त्जोतपोदंद (एई), GauLih बुक कं, सीआरसी प्रेस।
3. डायनामिक डेस गेज (फ्रेंच), Dr. Y Ribaud (ONERA, फ्रांस द्वारा अनुदित) ई राधाकृष्णन (एई), प्रेज वर्दी प्राइज पब्लिशिंग हाउस, नापोली, इटली।
4. कंप्रेसिबल फ्लूड डायनामिक्स (अरबी), (प्रोफेसर माहेर GamilHigazy द्वारा अनुदित), ई राधाकृष्णन (एई), डार ईल मारीफा बुकशॉप, काहिरा, मिस्र।
5. अरुण कुमार शुक्ला (बी एस बी ई) द्वारा संपादित 'मैथड इन सैल बायोलॉजी - खंड 132 - जी प्रोटीन युग्मित रिसेप्टसरू सिगलनिंग, ट्रांफिकिंग एवं रेग्यूलेशन, Elsevier, अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक।
6. अशोक कुमार (बीएसबीई) द्वारा संपादित सुपरमक्रोपोरस क्रयोजेल्स: जैव चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों, सीआरसी प्रेस (टेलर और फ्रांसिस समूह), अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक।
7. रासायनिक अभियांत्रिकी के प्रोफेसर वाई एम जोशी एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग प्रोफेसर समीर खांडेकर द्वारा संपादित पुस्तक नेनो स्केल एण्ड माइक्रोस्केल फिनोमिना: फन्डामेन्टल्स एण्ड एप्लीकेशन्स, रिप्रिंजर ट्रेक्टस इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग।
8. रसायन विज्ञान विभाग के श्री हरि कृष्णामूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक: हाई लाइट्स इन थीअरेटिकल कैमिस्ट्री, स्टीफन विगिंग्स, रिप्रिंजर, बर्लिन।
9. प्रोफेसर आदित्य के जगन्नाथम (विद्युत अभियांत्रिकी) द्वारा लिखित पुस्तक प्रिसिपल्स इन मार्डन वायरलेस कम्यूनिकेशन सिस्टम टाटा मैकग्रॉ हिल। द्वारा लिखित पुस्तक प्रिसिपल्स इन मार्डन वायरलेस कम्यूनिकेशन सिस्टम टाटा मैकग्रॉ हिल।
10. एचएसएस विभाग की प्रोफेसर डॉ शिखा दीक्षित द्वारा लिखित पुस्तक साइको सोशल एसपेक्ट्स ऑफ हेल्थ एण्ड इलनेस, कान्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली।
11. चएसएस विभाग की प्रोफेसर डॉ सोमेश माथुर द्वारा लिखित पुस्तक फ्रंटियर एरिया इन इकोनामिक्स एण्ड ट्रेड: सरबजीत सिंह और राहुल अरोड़ा, पालग्रेव मैकमिलन, अमेरिका, चीन, यूरोप और ब्रिटेन।
12. एचएसएस विभाग की प्रोफेसर डॉ सोमेश माथुर द्वारा लिखित पुस्तक मैथड्स एण्ड एप्लीकेशन्स इन ट्रेड पालिसी रिसर्च: सरबजीत सिंह और राहुल अरोड़ा, एथेना प्रकाशकधेनी बुक्स, लंदन, दिल्ली, बंगलौर, मुंबई।
13. यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ पी के पाणिग्राही द्वारा लिखित पुस्तक - ट्रांसपोर्ट फिनामिना इन माइक्रोफ्लूइडिक सिस्टम: जान विली एण्ड संस आईएसबीएन 978-1-11829841-1, 507 पेज (2016)
3. डॉ नितिन गुप्ता (बी एस बी ई) को वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलायंस द्वारा प्रायोजित डब्ल्यू टी-डीबीटी की इंटरमीडिएट फ़ैलोशिप प्रदान किया है।
4. प्रो संदीप कुमार शुक्ला (सीएसई) को भारत सरकार की रामानुजन फ़ैलोशिप, डीएसटी एसईआरबी प्रदान की गई है।
5. डॉ आशीष कुमार पात्रा (रसायन) को जेएसपीएस जापान द्वारा जेएसपीएस इन्व्हेस्टेशन फ़ैलोशिप प्रदान की गई है।
6. प्रोफेसर संदीप वर्मा (रसायन) को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फ़ैलो (FNA) के रूप में चयन किया गया है।
7. प्रोफेसर मानस के घोरई (रसायन) का नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (FNASc) के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
8. प्रोफेसर देवव्रत गोस्वामी (रसायन) का रॉयल सोसायटी ऑफ रसायन विज्ञान (ब्रिटेन) के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
9. प्रो सच्चिदानंद त्रिपाठी (सीई) का भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
10. प्रोफेसर सच्चिदानंद त्रिपाठी (सीई) का इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
11. डॉ शिल्पी गुप्ता (ईई) को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की एसईआरबी रामानुजन फ़ैलोशिप प्रदान की गई है।
12. प्रो. ए के शर्मा (एचएसएस) को नेशनल एकेडमी फार मैथमेटिकल मॉडलिंग एण्ड सिम्यूलेशन(IAMM) के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
13. प्रो इंद्रनील मन्ना, निदेशक, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर का चयन विकासशील देशों में विज्ञान का प्रचार-प्रसार करने के लिए द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस (व्) के फ़ैलो के रूप में किया गया है।
14. प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल (मैकेनिकल) का चयन इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग, इंडिया के फ़ैलो के रूप में किया गया है।

पुरस्कार और सम्मान

1. प्रो सी वेंकटेशन (एई) को 4 वें एशियाई/ऑस्ट्रेलियाई रोटाक्राफ्ट फोरम द्वारा इंडियन हेलिकाप्टर टेक्नालॉजी में आजीवन योगदान के लिए सम्मानित किया गया है
2. डॉ अरुण कुमार शुक्ला (बी एस बी ई) को इंडियन सोसायटी ऑफ कैमिस्ट एण्ड बायोलाजिस्ट द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
3. प्रोफेसर एस गणेश (बी एस बी ई) को नेशनल एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस द्वारा के.टी. शेड्डी मेमोरियल ओरेशन पुरस्कार प्रदान किया गया है।
4. डॉ जयधरन जी राव (बी एस बी ई) को बिरला विज्ञान केंद्र की ओर से बिड़ला विज्ञान पुरस्कार प्रदान किया गया है।
5. प्रो आशुतोष शर्मा (रसायन) को एल्यूमनी एसोसिएशन, सनी बैफेलो द्वारा बैफेलो स्थित स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क द्वारा प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एल्यूमनी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
6. प्रो योगेश एम जोशी (प) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार द्वारा इंजीनियरिंग विज्ञान में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

फ़ैलोशिप

1. प्रो आशीष तिवारी (एई) को अमेरिकन इस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (AIAA) के एसोसिएट फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।
2. प्रोफेसर एस गणेश (बी एस बी ई) को भारतीय विज्ञान अकादमी के फ़ैलो के रूप में चयन किया गया है।

7. प्रो अनिमंगसू घटक (रा.अभि.) को इंडियन इस्टीमेट ऑफ कैमिकल इंजीनियर्स द्वारा वर्ष 2015 को एस के शर्मा एण्ड कैमकान डिस्टिग्यूशड स्पीकर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
8. मनीन्द्र अग्रवाल (सीएसई) को एनएएसआई-रिलायंस प्लेटिनम जुबली पुरस्कार राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत प्रदान किया गया है।
9. डॉ नितिन सक्सेना (सीएसई) ने वर्ष 2015 के लिए आईएनएसए युवा वैज्ञानिक पदक के लिए चुना गया है।
10. प्रोफेसर के श्रीहरि (रसायन) को भारत के कैमिकल रिसर्च सोसायटी द्वारा कांस्य पदक प्रदान किया गया है।
11. प्रोफेसर आर गुरुनाथ (रसायन) पर्यावरण विज्ञान में भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली व्याख्यान पुरस्कार (2015) प्रदान किया गया है।
12. प्रोफेसर जे एन मूर्ति (रसायन) पदार्थ विज्ञान – भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली व्याख्यान पुरस्कार (2015) प्रदान किया गया है।
13. प्रोफेसर संदीप वर्मा (रसायन) रसायन विज्ञान – भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा प्लेटिनम जुबली व्याख्यान पुरस्कार (2015) प्रदान किया गया है।
14. प्रो अमलेंदु चंद्र (रसायन) भारत की कैमिकल रिसर्च सोसायटी (CRSI) द्वारा रजत पदक प्रदान किया गया है।
15. प्रो जितेंद्र के बेरा (रसायन) को परमाणु ऊर्जा विज्ञान अनुसंधान परिषद (डीईई-एसआरसी) द्वारा वर्ष 2014 के लिए डीईई-एसआरसी आउटस्टैंडिंग इन्वेस्टीगटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
16. डॉ तरुण गुप्ता (सीई) को भारत की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा स्कोपस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार –2015 प्रदान किया गया है।
17. प्रो सच्चिदानंद त्रिपाठी (सीई) को भारत के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट भूतपूर्व छात्र पुरस्कार 2015 प्रदान किया गया है।
18. प्रोफेसर एस एन सिंह (ईई) को एक्सिलेंस बाय एमरल्ड पब्लिकेशन यूके द्वारा वर्ष 2015 का एमरल्ड लिटरेटी नेटवर्क अवार्ड प्रदान किया गया है।
19. प्रोफेसर एस एन सिंह (ईई) को आई टी सुल्तानपुर द्वारा वर्ष 2016 का ग्लोबल सिटीजन अवार्ड प्रदान किया गया है।
20. डॉ इंद्र शेखर सेन (अर्थ साइंस) को खनन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खनिज पुरस्कार प्रदान किया गया।
21. प्रो जी नीलकंठन (एचएसएस) को सेंट जोसेफ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुड्डालोर (तमिलनाडु) द्वारा प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया है।
22. प्रो. रघुनंदन सेन गुप्ता (आईएमई) को यूनिवर्सिटी ऐकडमी एण्ड साइंटिस्ट 2015 टेक्नीसी यूनिवर्सिटी ड्रेसडेन, जर्मनी द्वारा डीएएडी रिसर्च स्टे के लिए चयन किया गया है।
23. प्रो आरआर के शर्मा (आईएमई) को इंटरनेशनल ऐकडमी ऑफ बिजनेस एण्ड इकानामिक्स, यूएसए द्वारा वर्ष 2015 का मैबरशिप अवार्ड प्रदान किया गया है।
24. प्रो आरआर के शर्मा (आईएमई) को एडवांस्ड रिसर्च और डिजाइन केंद्र चेन्नई द्वारा प्रतिष्ठित वैज्ञानिक के रूप में वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन अनुसंधान पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया गया है।
25. प्रो आर आर के शर्मा (आईएमई) को संयुक्त राज्य अमेरिका की औद्योगिक इंजीनियरिंग और संचालन प्रबंधन सोसायटी द्वारा वर्ष 2016 के लिए प्रतिष्ठित एजुकेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
26. प्रो कृपा शंकर (आईएमई) को वर्ष 2015 के लिए भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी के प्रतिष्ठित शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
27. प्रो कृपा शंकर (आईएमई) का चयन आईआईटी बीएचयू, वाराणसी द्वारा प्रदान किये जाने वाले प्रतिष्ठित मैकेनिकल इंजीनियरिंग भूतपूर्व छात्र पुरस्कार (2016) के लिए किया गया है।
28. प्रो कृपा शंकर (आईएमई) को वर्ष 2015 के लिए आईएनएई प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
29. प्रो दीपक मजूमदार (एमएसई) को वर्ष 2015 के लिए आईएनएई प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
30. डॉ. निलेश पी गुराँव (एमएसई) का चयन वर्ष 2015 के लिए आईएनएसए युवा वैज्ञानिक मेडल के लिए किया गया है।
31. डॉ. निलेश पी गुराँव (एमएसई) को भारतीय धातु संस्थान एवं इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष के युवा धातुकर्मी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
32. डॉ कौस्तुभ कुलकर्णी (एमएसई) को जनरल ऑफ फैंज ईक्वलिब्रीअम एण्ड डिफ्यूशन द्वारा एडीटर च्वाइस अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
33. प्रो जे रामकुमार (यां) को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा राष्ट्रीय डिजाइन और रिसर्च फोरम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
34. प्रो जे रामकुमार (यां) को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा उत्कृष्ट अभियंता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संपादकत्व

1. प्रो एस गणेश (बी एस बी ई), सदस्य संपादकीय बोर्ड, मेटा जीन, एलसवियर।
2. प्रोफेसर एस गणेश (बी एस बी ई), सदस्य संपादकीय बोर्ड, जीन रिपोर्ट्स, एलसवियर।
3. डॉ अरुण कुमार शुक्ला (बी एस बी ई), संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वैज्ञानिक रिपोर्ट, नेचर प्रकाशन समूह।
4. प्रो आर पी छाबड़ा (रसायन), सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, जर्नल्स ऑफ नान न्यूटोनियन फ्ल्यूड मैकेनिक्स।
5. प्रो आशुतोष शर्मा (रसायन), संपादकीय बोर्ड के सदस्य एएसोसिएट एडीटर एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स और इंटरफेस, अमेरिकन कैमिकल सोसायटी।
6. प्रो संदीप कुमार शुक्ला (सीएसई), मुख्य संपादक, एसीएम ट्रांजेक्शन्स ऑन इंबेडिड कम्प्यूटिंग स्टम, एसोसिएसन ऑफ कम्प्यूटिंग मशीनरीज एसीएम यूएसए।
7. प्रो संदीप कुमार शुक्ला (सीएसई), एसोसिएट एडीटर, एसीएम ट्रांजेक्शन्स ऑन साइबर फिजिकल सिस्टम एसीएम यूएसए।
8. प्रो संदीप कुमार शुक्ला (सीएसई), कैटेगरी संपादक, एसीएम कम्प्यूटिंग रिव्यू एसीएम यूएसए।
9. प्रो संदीप कुमार शुक्ला (सीएसई), सीरिज संपादक,

- पब्लिशर्स सीरिज इन इनफॉर्मेशन साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, रिवर पब्लिशर्स डेनमार्क ।
10. प्रोफेसर देवव्रत गोस्वामी (रसायन), आईईईई के वरिष्ठ सदस्य के रूप में निर्वाचित ।
 11. प्रोफेसर देवव्रत गोस्वामी (रसायन), सिग्मा क्सी के पूर्ण सदस्य के रूप में चयन
 12. प्रोफेसर एम एल एन राव (रसायन), संपादकीय बोर्ड के सदस्य, मिनी रिव्यू इन आर्गनिक कैमिस्ट्री बैथम साइंस ।
 13. डॉ एन.के. वर्मा (ईई), अंतर्राष्ट्रीय अध्याय समिति के सदस्य, आईईईई कम्प्यूटेशनल इंटेलीजेंस ।
 14. डॉ एन.के. वर्मा (ईई), एसोसिएट एडीटर, आईईईई कम्प्यूटेशनल इंटेलीजेंस पत्रिका, आईईईई ।
 15. डॉ एन.के. वर्मा (ईई), एसोसिएट एडीटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस इन इंटेलिजेंट इन्फार्मेशनस, आईईईई ।
 16. डॉ एन.के. वर्मा (ईई), संपादक, आईईटीई तकनीकी समीक्षा जर्नल, आईईटीई ।
 17. डॉ एन.के. वर्मा (ईई), एसोसिएट एडीटर, ट्रांजेक्शन ऑफ द इस्टीमेट ऑफ मेजरमेंट एण्ड कंट्रोल सेज पब्लिशर्स ।
 18. डॉ डी पॉल (अर्थसाइंस), सदस्य, रासायनिक भूविज्ञान – संपादकीय बोर्ड, एल्सवियर
 19. प्रो आर सिन्हा (अर्थसाइंस), सदस्य, बोर्ड ऑफ अर्थसाइंस प्रोसेस एण्ड लैण्डफार्मस विली ।
 20. प्रो आर सिन्हा (अर्थसाइंस), सदस्य, करंट साइंस – संपादकीय बोर्ड, भारतीय विज्ञान अकादमी ।
 21. प्रो पी.एस. घोषदस्तीदार (यां.), संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल एल्सवियर
 22. प्रो पी वेंकटनारायण (या.), एसोसिएट एडीटर, प्रायोगिक यांत्रिकी, सिप्रंगर फार सोसायटी फार एक्सपरिमेंटल मैकेनिक्स यूएस ।
 23. प्रो बिशाक भट्टाचार्य (यां.), संपादकीय बोर्ड के सदस्य, द जर्नल्स ऑफ द इस्टीमेट ऑफ स्मार्ट स्ट्रक्चर्स एण्ड सिस्टम्स, सिप्रंगर
 24. प्रो दीपक मजूमदार (एमएसई), संपादक, ट्रांजेक्शन आईआईएम, सिप्रंगर ।
 25. प्रोफेसर दीपक मजूमदार (एमएसई), उप संपादक अथवा की रीडर्स मैटेरियल्स ट्रांजेक्शनस बी, सिप्रंगर ।
 26. डॉ कांतेश बलानी (एमएसई), अतिथि संपादक, जर्नल ऑफ थर्मल स्प्रे तकनीक, सिप्रंगर ।
 27. डॉ कलोल मंडल (एमएसई), संपादक, वैज्ञानिक रिपोर्ट, नेचर ।

स्टूडेंट्स पुरस्कार

1. श्री योनस ग्रेब (एई) ने मैकेनिक एण्ड मैकेनिज्म विषय पर आयोजित 17 वी राष्ट्रीय एवं दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित स्टूडेंट्स मैकेनिज्म कान्फेरेन्स में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है ।
2. बी एस बी ई विभाग के यूजी छात्रों की एक टीम (अमृता सिंह, इशिता जैन, इशिता गुप्ता, अभिनव सोनी, कौशिक जैन त्रिपाठी और कशिश जैन शामिल हैं) ने यू एस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जैव आणविक डिजाइन प्रतियोगिता में रजत पदक (2015 Biomod) प्राप्त किया है ।
3. सुश्री शालिनी अवस्थी (रसायन) को संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित शिकागो विश्वविद्यालय में आयोजित (सीपीएमडी मीटिंग 2016) के दौरान पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार

- प्राप्त हुआ है ।
4. श्री वी वीरास्वामी (रसायन) को जयपुर में आयोजित कैमिस्ट 2015 के 52 वें वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रतिष्ठित प्रोफेसर पी सेनगुप्ता मैमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया है ।
 5. श्री महेश एम परसुतकर (रसायन) को कैमिकल साइंस के लिए आयोजित गेट परीक्षा में सेकेन्ड ए.आई.आर. तथा सीएसआईआर-नेट परीक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त किया है ।
 6. सुश्री खुसबू यादव (रसायन) तथा सुश्री गगनदीप कौर (रसायन) को 2015-2016 आर्टिस्ट माइक्रोग्राफी कान्फेरेन्स में विजेता घोषित किया गया है । यह प्रतियोगिता इंडियन इस्टीमेट ऑफ मैटल, कानपुर चेप्टर एण्ड मैटेरियल एडवेंटेज, कानपुर चेप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है ।
 7. श्री बी विजय कुमार (रसायन) को नाइजर भोपाल में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रायोजित आर्गनिक एण्ड बायो-मॉलक्यूलर कैमिस्ट्री बेस्ट पोस्टर प्राइज एट XI J&NOST सम्मेलन में रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री से सम्मानित किया गया है ।
 8. श्री पी चंद्रशेखर (रसायन) को कोलकाता में आयोजित एशियाई क्रिस्टलोग्राफिक एसोसिएशन के 13 वें सम्मेलन में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ क्रिस्टलोग्राफी पोस्टर पुरस्कार के लिए चयनित किया गया ।
 9. सुश्री अनिजामोल टी फिलिप (रसायन) को बेस्ट पेपर प्राइज इन द रायल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री (यू के) आई आई टी कानपुर मीटिंग फार द पोस्टर टाइटल एनिमो एसिड डिरीब्ड सिरानस फार राशनल डिजाइन ऑफ आर्गन केटेलिस्ट्स एण्ड अनयुजुअल एनिमो एसिड के लिए चिह्नित किया गया है ।
 10. श्री विवेक गुप्ता (रसायन) को बेस्ट पेपर प्राइज इन द रायल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री (यू के) आई आई टी कानपुर मीटिंग फार द पोस्टर टाइटल साइकिल सिक्स मैमबर्ड पल्लाडियम कॉम्प्लेक्स डिरीब्ड फरोम पल्लाडियम मेडिएटिड सी एन कप्लिंग ऑफ आर्गोनोनिट्राइल फारमामिडिन सिन्थेसिस, स्ट्रेक्चर एण्ड कैटेलिक एप्लीकेशन के लिए चिह्नित किया गया है ।
 11. श्री सुभामय दास (रसायन) को बेस्ट पेपर प्राइज इन द रायल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री (यू के) आई आई टी कानपुर मीटिंग फार द पोस्टर टाइटल स्टिरियो स्लेक्टिव सिन्थेसिस ऑफ साइक्लोहेक्सेन ड्रिवेटिव कन्टेनिंग क्वाटरनेरी कार्बन सेन्टर वाया डोमिनो माइकल माइकल एण्ड एल्डोल एल्डोल रिएक्शन के लिए चिह्नित किया गया है ।
 12. श्री पी साहा (रसायन) को भारत के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसायटी (EMSI) और आईआईटी बीएचयू वाराणसी द्वारा संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी 2016 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान उनकी मौखिक प्रस्तुति के लिए एक योग्यता पुरस्कार प्रदान किया गया है ।
 13. सुश्री टी विजयाशारी (सीई) को "न्यूमरिकल सिम्युलेशन ऑफ डायनामिक्स बिहेवियर ऑफ रेनुसागर पॉन्ड ऐस इम्बैकमेंट इन इंडिया यूजिंग ए फुल्ली कप्लड ननोलाइनर एप्रोच" इन द इंटरनेशनल क्रांफ्रेंस ऑन जियो इंजीनियरिंग एण्ड क्लाइमेट चेंज टेक्नालाजी फार सस्टेनेबल इनवायरनमेंट मैनेजमेंट (जीसीसीटी-2015) के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है ।
 14. श्री अभिषेक नाथ एवं श्री श्रीनिवासन वी (सीई) द्वारा प्दो

- समाक्षीय कार्तीय और ध्रुवीय समन्वय प्रणाली में विस्थापन को सीमित करने के लिए किए एंकर के कार्यक्षेत्र उत्थान क्षमता" जीसीसीटी 2015 में प्रेजेन्ट किये पाँच बेस्ट पेपर में से एक को बेस्ट पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
15. श्री मनीष अग्रवाल (सीई) को मिलान, इटली में यूरोपीय एयरोसोल सम्मेलन 2015 बेस्ट पेपर अवार्ड एवं बर्सेरी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 16. श्री ओलिव रे (ईई) को आई ए एस सी एम डी स्टूडेंट्स थीसिस कान्टेस्ट 2016 में पीएचडी कैटेगिरी में दूसरा पुरस्कार प्रदान किया गया है।
 17. श्री विग्नेश वी (ईई) को उनके पीएच.डी थीसिस शीर्षक, "स्थिरता विश्लेषण और साथ उच्च पवन प्रवेश पावर सिस्टम का नियंत्रण लोड मॉडलिंग का नया दृष्टिकोण"- के लिए POSOCO पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चयनित किया गया है
 18. श्री विवेक नंदन लाल (ईई) को उनके पीएच.डी. थीसिस शीर्षक, "एकल चरण बड़े पैमाने पर ग्रिड के प्रदर्शन के विश्लेषण और पावर पूर्वानुमान जुड़े PV प्रणाली" के लिए POSOCO पावर सिस्टम पुरस्कार (चै. 2016) के लिए चयनित किया गया है।
 19. श्री संजीव कुमार मल्लिक (ईई) को उनके पीएच.डी. शीर्षक थीसिस, "हाइब्रिड राज्य आकलन और पावर सिस्टम की बढ़ी निगरानी "synchrophasors का प्रयोग" के लिए POSOCO पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चयनित किया गया है।
 20. श्री नीरज कुमार शर्मा (ईई) को उनके एम टेक शीर्षक, "आबर्जेविलिटी विश्लेषण और टोपोलॉजी त्रुटि को संकर माप की उपस्थिति में बिजली प्रणालियों के प्रसंस्करण" पर शोध के लिए POSOCO पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चुना गया है।
 21. श्री राहुल रंजन झा (ईई) को एम टेक शीर्षक, "अक्षय संसाधन के साथ विद्युत प्रबंधन के लिए नियंत्रण रणनीति का विकास" पर शोध के लिए POSOCO पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चुना गया है।
 22. श्री भारद्वाज काका (ईई) को उनके एम टेक शीर्षक "डिजाइन, सिमुलेशन और बिजली वितरण प्रणाली के लिए मल्टीफंक्शनल सक्रिय शक्ति फिल्टर का विकास" पर शोध के लिए चैक्स पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चुना गया है,।
 23. श्री अभिषेक माजी (ईई) को उनके एम टेक शीर्षक, "बिजली की गुणवत्ता में सुधार और बिजली क्षमता ग्रामीण दूरसंचार अनुप्रयोगों के लिए पावर प्लांट की वृद्धि" पर शोध के लिए चैक्स पावर सिस्टम पुरस्कार (PPSA 2016) के लिए चुना गया है।
 24. श्री अभिषेक कुमार झा (ईई) को रिसर्च एण्ड इनिशिएटिव फार सस्टेनेबल टेक्नालाजी एण्ड इस्टीमेशन संस्था की ओर से गांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार (GYTI) 2016 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
 25. श्री सक्षम अग्रवाल (ईई) वर्ष 2015 के प्रतिष्ठित 'हॉन्डा युवा इंजीनियर और वैज्ञानिक पुरस्कार' के लिए चयनित किया गया है।
 26. श्री देबदीप सरकार (ईई) को आईईईई MIT सोसायटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोवेव और आर एफ सम्मेलन में बेस्ट रिपोर्ट पुरस्कार प्रदान किया गया है।
 27. पीएचडी और एम टेक छात्रों की एक टीम जिसमें श्री अभिषेक कुमार झा, श्री एम आरिफ हुसैन अंसारी, श्री मोहम्मद शफी के.टी. और श्री सूर्य प्रकाश सिंह (ईई) शामिल हैं को, आर एफ सेंसर फार कम्युनिकेशन डिटेक्शन इन इडेबल प्रोडेक्ट्स शीर्षक नाम की संस्था आईईईई एमटीटी द्वारा आयोजित आईईईई साइट डिजाइन प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्रदान किया गया है।
 28. पीएचडी और एम टेक छात्रों की एक टीम जिसमें सुश्री Sanchari SenSarma, सुश्री संध्या चंद्रवंशी और श्री अभिषेक कुमार झा (ई) शामिल हैं, को एम्बिएन्ट आर एफ एनर्जी स्कावनेर्जस फार हेल्थ मानिटरिंग एप्लीकेशन्स इन वायरलेस बाडी एरिया नेटवर्क्स शीर्षक नाम की परियोजना के लिए आईईईई एमटीटी सोसायटी द्वारा आयोजित आईईईई साइट डिजाइन कान्टेस्ट में तीसरा पुरस्कार प्रदान किया गया है।
 29. डॉ सोमक भट्टाचार्य (ईई) को इंडियन केमेटी फार इंटरनेशनल यूनिवर्स ऑफ रेडियो साइंस, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी तथा स्कूल ऑफ इनवायनमेंटल स्टैडिज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रेडियो साइंस के क्षेत्रीय सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है
 30. सुश्री सोनल दीक्षित (ईई) को आईईईई बंबई सेक्शन संगोष्ठी में 'थर्मल इमेजिंग एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म पर आधारित सीबीएम "शीर्षक पर उनके शोध पेपर के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 31. श्री राहुल शिवाकुला (ईई) को आईईईई कम्यूटेशनल इंटेलेजेंस सोसायटी की ओर से फज आईईईई 2015 छात्र यात्रा अनुदान प्रदान किया गया है।
 32. श्री राहुल शिवाकुला (ईई) को आईईईई कम्यूटेशनल इंटेलेजेंस सोसायटी की ओर सीआई अवार्ड (विद्यार्थी वर्ग) में युवा शोधकर्ता के लिए नामित किया गया है।
 33. सुश्री पन्नागती पवनी (ईई) उनके शीर्षक "वितरण प्रणाली के द्विआधारी जेनेटिक एल्गोरिथम आधारित पुनर्विन्यासन सिस्टम" के लिए आईईईई इंडिया काउंसिल एम वी चौहान अखिल भारतीय विद्यार्थी पेपर अवार्ड 2015 (द्वितीय पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है।
 34. सुश्री सोमिता बोराल (अर्थसाइंस) को बुड्स होल ओशियनग्राफी इस्टीमेशन टू विजिट द इस्टीमेशन के लिए गेस्ट स्टूडेंट्स अपाइन्टमेंट प्रदान किया गया है।
 35. एच खनूत (एमई) को तीसरे इंटरनेशनल कानफ्रेंस, मैटिरियल्स साइंस, मेटल एण्ड मैनुफैक्चरिंग के दौरान उनके पत्र शीर्षक "इनवेस्टीगेशन ऑफ ट्रासपोर्ट फिनामिना इन सलेक्टिव लेजर मैलटिंग ऑफ Ti-6Al-4V" के लिए बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 36. टी.के. प्रधान, (एम) को एन. आई. टी. कर्नाटक द्वारा आयोजित 42 वें नेशनल कानफ्रेंस ऑन फल्यूड मैकेनिक्स एण्ड फल्यूड पावर रकमैटिरियल्स साइंस विषय पर आयोजित सम्मेलन में " एक्सपरिमेंटल इनवेस्टीगेशन ऑफ फल्यूड कनवेक्शन इनसाइड ऑन इवेपोरेटिंग ब्लापलेट ऑफ बायनरी मिक्सचर" के लिए बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 37. श्री साहिल कालरा (एमई) को आईपीएस वेस्डा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा आयोजित 9 वीं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संगोष्ठी में बेस्ट पेपर अवार्ड और एग्जीबेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 38. श्री रघुनंदन शर्मा (एमई) को नेशनल फिजिकल लैबोरेट्री,

- नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल कांफ्रेंस ऑन कार्बन मैटेरियल्स फार एनर्जी एप्लीकेशन-2015 (हिन्दी) के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है।
39. भरत लाल मीणा (भौतिकी) को "डेवलपमेंट ऑफ पोर्टेबल डिवाइस बेस्ड ऑन पोलराइज्ड प्लयूरसेंस फार डिटेक्शन ऑफ सरवाइकल कैंसर" नाम की परियोजना पर शोधकार्य करने के लिए शगांधीवादी युवा तकनीकी नवाचार' (GYTI) 2016 से सम्मानित किया गया है।
 40. अनिल कुमार सिंह (भौतिकी) को उनके पेपर शीर्षक "ग्रोथ एण्ड एसटीएमए-एसटीएस स्टैडी ऑफ ग्रैफिन ईन सेकेन्ड इंटरनेशनल क्रांफेंस ऑन मैटेरियल्स साइंस एण्ड टेक्नालाजी" पर बेस्ट पेपर प्रेजेन्टेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
 41. श्री चंदन मंडल (भौतिकी) को फांसको सिटी इटली में आयोजित लाईट कॉन 2015 क्रांफेंस के दौरान उनके पोस्टर "ए कम्प्रिहेंसिव स्टैडी ऑफ न्यूक्लान स्ट्रैक्चर इन लाइट फ्रंट क्वार्क मॉडल इन एड्स-क्यूसीडी" को बेस्ट पेपर का अवार्ड प्रदान किया गया है।

महत्वपूर्ण स्वीकृत परियोजनाएं

1. मॉड्यूलेशन ऑफ एडिनो – होस्ट सेल ट्रांससक्रिप्शन रिप्रेसर्स द्वारा एसोसिएटिड वायरस रिप्लिकेशन एण्ड जीन थेरेपी (डीबीटी) के दौरान आर एन ए आई इंटरफेरेंस टू इम्मूव एए वेक्टर डिलिवरी।
2. राष्ट्रीय एयरोसोल सुविधा (BRNS और बीएआरसी) की स्थापना करके भारतीय परमाणु रिपेक्टों के संदर्भ में गंभीर दुर्घटना परिस्थितियों के दौरान एयरोसोल व्यवहार पर अध्ययन।
3. अगली पीढ़ी के डेटा सेन्टर के लिए सर्वोत्कृष्ट बिजली वास्तुकला (SERB)।
4. उच्च परिशुद्धता मल्टीमॉडल बायोइमेजिंग अनुप्रयोगों (SERB, डीएसटी) के लिए कान्स्ट्रैट एजेंट के रूप टारगेट स्पेसिफिक ननोमैटेरियल्स।
5. पाइप लाइन हेल्थ मानीटेरिंग रोबोट हेतु कम्प्रेस्ड एयर बैस्ड टेस्ट बैड का विकास।
6. एलजब्रैइक जटिलता सिद्धांत में तीन समस्याएँ (डीएसटी)।
7. एल सी ए एयर फोर्स एम के – 1 माडल (एडीए) पर इन्टेक टेस्ट के विन्ड टन्नल स्टैडी।
8. एक्सटोनिक सौर कोशिकाओं की दक्षता और उत्पादन क्षमता (एपेक्स द्वितीय चरण) (डीएसटी)।
9. पानी के नीचे की निगरानी (एनआरबी) के लिए फाइबर ऑप्टिक हाइड्रोफोन संवेदक सरणी।
10. Isoindolinones dh Enantiomer p;ukRed संश्लेषण और Tetrahydroisoquinolines (ERB)।
11. नियर इन्फ्रेडिड डिटेक्शन एण्ड ट्रैकिंग के लिए फोटोडायोड
12. डिजाइन नवाचार केंद्र (एमएचआरडी)।
13. ठोस तरल इंटरफेस स्कैनिंग का उपयोग कर विद्युत टनलिंग सूक्ष्मदर्शी (डीएसटी) पर Organo-धातु आणविक पैटर्न में नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक स्विचिंग।
14. शिक्षण और प्रशिक्षण केंद्र (एमएचआरडी)।
15. सतहों पर बड़े कणों की उपस्थिति में (ERB) तरल पदार्थ की गीला व्यवहार।
16. स्थापना गंगा बेसिन में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र वेधशाला (CZO) जल संतुलन, पानी की गुणवत्ता, और Hydrometeorological सूचना प्रणाली (एमओईएस) पर ध्यान केंद्रित।
17. सिस्टम डिजाइन (DEITY) के लिए चिप्स के लिए विशेष

जनशक्ति विकास कार्यक्रम।

18. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अकादमियों (एमसीआईटी) की स्थापना करना।
19. अंडरसेन्डिंग इन्नेट रिस्पान्स टू ओडर एण्ड ओडर मिक्सचर: एक्रास स्पैशज इंटीग्रेडिड एप्रोच।
20. धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क पर रिसर्च (MOFs): परिवेश और पास परिवेश तापमान (एमएनआरई) में चयनात्मक और प्रतिवर्ती हाइड्रोजन भंडारण के लिए मानदंड की खोज।
21. मल्टी कंपोनेन्ट वन प्लाट रिपेक्शन आइसोलेशन एण्ड पोस्ट सिन्थेटिक माडीफिकेशन ट्रांसमेटलाइजेशन एण्ड बायोइस्पायर्ड हाइड्रोजन प्रोडक्शन केटेलिस्स से स्टीरियोआइसोमर ऑफ न्यू डिपकोलिलेमिन।
22. डबकपसंजमक मशीनिंग(डीएई) के द्वारा प्राप्त की माइक्रोस्ट्रैक्चरल एण्ड ट्राईबायोलाजी कैरेक्टुराजेशन ऑफ स्टेनलेस स्टेनलेस स्टील 316L।
23. मॉडलिंग और सिमुलेशन ऑफ मिथेन एक्सट्रैक्शन फार गैस हाइड्रोट्रेस वाया साइमल्टेनीअस एक साथ डिप्रेशनराइज्ड
24. गीमस (ई-लॉनिंग के लिए नॉलेज हब) (औद्योगिक डिजाइन सेंटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई)।
25. एक्टिव फाल्ट, पेलसिस्मिक एण्ड क्रस्टल डिफार्मेशन इन एनडब्ल्यू एण्ड सेन्ट्रल हिमालय इंडिया: ऐन इन्टीग्रेडिड एप्रोच टू वर्ड सिस्मिक हैजर्ड अस्सेमेंट।
26. अर्ली फाल्ट एण्ड हाट स्पॉट डिटेक्शन के लिए थ्री डायमेंशनल फील्ड एण्ड करेन्ट मैपिंग टेक्नालाजी के साथ स्मार्ट सुपरकन्डेक्टिंग फाल्ट करेन्ट लिमिटर के प्रोटोटाइप का विकास।
27. MOOC संगत ई-सामग्री निर्माण के लिए केन्द्रीय क्षेत्र योजना (एनपीटीईएल चरण चतुर्थ) (एमएचआरडी)।
28. फिस्ट योजना के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने रसायन विज्ञान विभाग, सिविल इंजीनियरिंग और जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभागों के लिए तीन नई परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है।

विकसित प्रयोगशालाएं / सुविधाएं

1. ध्वनिक और कंपन डाटा अधिग्रहण सुविधा: इंटेलीजेंस कन्डीशन पर आधारित हेल्थ मॉनीटरिंग ऑफ एयर कम्प्रेसर्स की स्थापना हो चुकी है। इसमें सिंगल स्टेज एवं डबल स्टेज के चार सेट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एक्ससेलरामिटर आधारित डेटा एक्विजेशन सिस्टम में शामिल है।
2. ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस प्रयोगशालारू ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस ब्रेन तथा एक्सटर्नल एनवायरनमेंट के मध्य सीधे संचार का साधन है जो सामान्य परिफरल को बायपास करता है। इंटेलीजेन्ट इन्फार्मेटिक ब्रेन कम्प्यूटर इंटरफेस लैबोरेट्री में हमारे पास Emotiv EPOC, एक 14-चैनल उच्च संकल्प वायरलेस ईईजी सिस्टम उपलब्ध है।
3. भूभौतिकी प्रयोगशाला का विकास (अर्थ साइंस)।

सॉफ्टवेयर विकसित

1. कम्प्रिहेंसिव एयरोएलास्टिक एण्ड फ्लाइंट डायनामिक एनेसिस ऑफ रोटोक्राफ्ट। द कोड वाज एक्सपिटड आफ्टर वेलिडेटेडिडिग विद एएलएच फ्लाइंट टेस्ट डेटा फार मोर दैन 100 फ्लाइंट टेस्ट केस। वांतरिक्ष अभियांत्रिकी
2. स्थानांतरण, स्थापना, प्रशिक्षण और कोड SDRA (Rotorblades की स्ट्रक्चरल गतिशील विश्लेषण) (एई) की स्वीकृति।

3. आब्जेक्ट काउन्टिंग एप्लीकेशन (ईई)
4. सेन्सिटिव पोजिशन फाइन्डर (ई ई)।
5. इन्टेलीजेंट कन्डीशन बेस्ड मानीटरिंग एप (ईई)
6. डेटा एनालिटिक्स। चचे (ईई)।
7. ए जीयूआई बेस्ड थर्मल एण्ड मैटेरियल बैलन्स कैलक्यूलेशन फार इलेक्ट्रिक अर्क फर्नस ए स्टीलमैकिंग (एमएसई)

टेक्नोलॉजी विकसित

1. राष्ट्रपति भवन स्थित आईसीएमआर एवं एन आई एफ द्वारा मान्यता प्राप्त पीने योग्य स्वच्छ जल संबंधी प्रौद्योगिकी के लिए इंटीग्रेटेड फिल्टर सिस्टम आधारित कम्यूनिटी।
2. यल टाइम ए जी वी व्हिकल को लागू करने के लिए विकसित ओटोमैटिव गाइडिड व्हिकल प्रोटोटाइप जो मल्टी कलर पाथ ट्रैकिंग, आब्जेक्ट फालोईंग, पिक एण्ड प्लैस आपरेशन, आब्सटेकल अवाइडन्स एण्ड ऑप्टिमल पाथ रूटिंग की समस्या का समाधान कर सकता है।
3. ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस प्रयोगशाला ब्रेन कम्यूटर इंटरफेस तथा एक्सटर्नल एनवायरनमेंट के मध्य सीधे संचार का साधन है जो सामान्य परिफरल को बायपास करता है। इस सिस्टम में सक्रिय सेन्सर्स शामिल हैं जो विचारों, भावनाओं तथा अभिव्यक्तियों का पता लगाने के लिए मस्तिष्क द्वारा प्रतिपादित इलेक्ट्रिकल सिग्नल को पकड़ता है।
4. नेटवर्कड कंट्रोल सिस्टम ऑफ मल्टी व्हील ड्राइव मल्टी व्हील स्टीर इलेक्ट्रिकल व्हिकल एण्ड फार द नेटवर्कड को आर्डिनेशन ऑफ मल्टी मोटर्स हैन्डलिंग ए कॉमन जॉब के

- लिए ए हार्डवेयर इन द लूप सिम्युलेशन टेस्ट बैड।
5. एल्यूमिनियम इलेक्ट्रिकल संघारित्र (ई) के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए विधि।
6. एक्टिव फिल्टरिंग कैपबिलिटी के साथ सिंगल फेज डायनामिक वोलटेज रिस्टोर (डीवीआर)
7. स्वचालित निर्देशित वाहन जो विभिन्न आपरेशनों यानि वस्तु मान्यता, सर्वश्रेष्ठ पथ ट्रैकिंग, दृष्टि आधारित मार्ग का अनुसरण और बाधा परिहार (ईई) में कार्य कर सकता है।
8. इन्वेंटरी प्रबंधनरू एक दृष्टि आधारित सूची प्रणाली के प्रबंधन और वस्तुओं या सामग्री लगाने और रखने वस्तु (ईई) की गणना के लिए इस्तेमाल किया।
9. डाटा एनालिटिक्स उपकरणरू विंडोज फोन, टैबलेट और स्मार्टफोन (ई) के लिए सबसे अधिक आपरेटिंग सिस्टम पर संवेदनशील स्थिति का पता लगाने, डाटा अधिग्रहण, प्री प्रोसेसिंग, सुविधा निकासी, सुविधा चयन और वर्गीकरण के लिए करने के लिए डेटा ऐनलिटिक टूल्सधरेप का विकास
10. लज।ळ (यांत्रिक) द्वारा अमला पैकिंग
11. फ्री फार्म सतहों के लिए टेबल टॉप 4-अक्ष चुंबकीय घर्षण परिष्करण मशीन (यांत्रिक)।
12. कॉम्पैक्ट प्लैज्म के लिए टामोग्राफिक सेट-अप (यांत्रिक)।
13. पाइप हेल्थ मॉनीटरिंग रोबोट (यांत्रिक)।
14. एक्टिव एंटीना शैप कंट्रोल सिस्टम (यांत्रिक)।
15. इस्पात और एल्यूमीनियम मिश्र की इंटरमैटेलिक फ्री वेल्ड ज्वाइंट के लिए प्रौद्योगिकी (एमएसई)।